@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 336 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपी सरकार ने इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन को दी मंजूरी, विशेषज्ञ सेल और सैटेलाइट ऑफिस होंगे स्थापित

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न इन्वेस्ट यूपी शासी निकाय की पहली बैठक में प्रदेश के औद्योगिक निवेश ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दी। नए ढांचे के तहत टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेल गठित किए जाएंगे। साथ ही मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस स्थापित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से घरेलू और वैश्विक निवेशकों से सीधा संवाद स्थापित कर उत्तर प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्गठन का उद्देश्य इन्वेस्ट यूपी को अधिक कार्यकुशल, विशेषज्ञता-आधारित और निवेशक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित करना है। बैठक में 11 महाप्रबंधक/सहायक महाप्रबंधक पदों पर कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही, दो संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पीसीएस संवर्ग) को प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने तथा भूमि बैंक प्रकोष्ठ गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें दो पीसीएस अधिकारी (उपजिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी स्तर) तैनात होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया ढांचा

इन्वेस्ट यूपी को एक 'एकल निवेश सुविधा एजेंसी' के रूप में सशक्त बनाएगा, जो न केवल निवेश आकर्षित करेगी, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक उनकी सक्रिय निगरानी भी सुनिश्चित करेगी।उन्होंने निर्देश दिया कि इस ढांचे को त्वरित प्रभाव से लागू किया जाए। बैठक में बताया गया कि बीते कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में लगभग 4,000 नई फैक्ट्रियां स्थापित हुईं, जिससे कुल संख्या लगभग 27,000 तक पहुंच गई है। वर्ष 2022-23 तक प्रतिवर्ष औसतन 500 नई इकाइयां स्थापित हो रही थीं, जिनमें अब कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक में निवेश प्रोत्साहन और सुविधा व्यवस्था की समीक्षा की गई। बताया गया कि फॉर्च्यून 1000 सूची की 814 कंपनियों को अकाउंट मैनेजर आवंटित किए गए हैं। अब तक 50 नए एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं तथा 280 से अधिक कंपनियों से संवाद प्रगति पर है। 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस की समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश अब नीतिगत प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि 'ग्राउंड लेवल डिलीवरी' का उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल 3.0 के माध्यम से आवेदन, स्वीकृति और प्रोत्साहन की प्रक्रिया को सरल किया जा रहा है, जिससे 30 फीसदी तक प्रक्रिया समय और 50 प्रतिशत तक दस्तावेजी औपचारिकताओं में कमी आएगी। पोर्टल में सिंगल साइन-ऑन, डायनेमिक एप्लीकेशन सिस्टम, एआई आधारित चैटबॉट, थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल की जा रही हैं, जो निवेशकों के अनुभव को अधिक सुगम बनाएंगी।

इंदौर के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन की मौत, कई घायल

एजेंसी

इंदौर। इंदौर के निकट सांवेर के चंद्रावतीगंज के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से एक दर्दनाक हादसा हुआ। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने एक और मौत की पुष्टि की। मृतकों की पहचान जानकीबाई (40) और कमला बाई (50) के रूप में हुई, जबकि एक नाबालिग की मौत उस समय हो गई जब उसे चिकित्सा सहायता के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दो अन्य की हालत गंभीर है और उन्हें जल्द ही इंदौर के किसी भी अस्पताल में ले जाया जाएगा।

हादसे में पीड़ित लोग किसान बताए जा रहे हैं; सभी खेतों में काम करने के बाद घर लौट रहे थे। ग्रामीण इलाकों में आमतौर पर समूह परिवहन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। दुर्घटना के सही कारण की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। खेतिहर मजदूर रतनखेड़ी से हरियाखेड़ी और बीवीखेड़ी स्थित अपने घरों को लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि गाड़ी बीच रास्ते में पलट गई। आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और 15 एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेजी गईं। घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए सिविल अस्पताल सांवेर ले जाया गया। जिला प्रशासन ने हताहतों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों को सतर्क कर दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के समय ट्रॉली में महिलाओं सहित लगभग 25 किसान सवार थे।

अमित शाह 16 को तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे बिहार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एनडीए की ओर से सीट शेयरिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर आ रहे हैं. इसकी तैयारी भाजपा नेता जोरशोर से कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि अमित शाह 16, 17 और 18 अक्टूबर को बिहार में रहेंगे और विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेंगे। एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर अंदरूनी नाराजगी की खबरें भी सामने आ रही हैं। रालोसपा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा छह सीटें मिलने से असंतुष्ट हैं और उनकी मांग इससे अधिक है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट कर भी दी है। इन सब के बीच पटना में सोमवार यानी आज होने वाली एनडीए की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को स्थगित कर दिया गया, जिससे यह चर्चा तेज हो गई कि क्या एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा? हालांकि भाजपा की ओर से इन अटकलों को खारिज किया गया है। भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दिलीप जायसवाल ने साफ कहा कि अभी का जो माहौल है, उसमें एनडीए चट्टानी एकता के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है। यही कारण है कि महागठबंधन में भगदड़ मची हुई है और उनके बड़े-बड़े नेता-विधायक भाजपा की सदस्यता ले रहे हैं। उन्होंने सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि कितनी सीटों पर कौन दल चुनाव लड़ेगा, यह जानकारी हम पहले ही साझा कर चुके हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि 15 से 18 अक्टूबर तक चार दिन में पूरे बिहार में एनडीए उम्मीदवारों का नामांकन कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा शांति को समर्थन देते हुए इजरायली नागरिकों की रिहाई का स्वागत किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शांति प्रयासों को समर्थन देते हुए हमास की कैद से सभी इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने का स्वागत किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने इस रिहाई को बंधकों के परिजनों, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजेमिन नेतन्याहू के साहस, संकल्प और प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'हम दो साल से ज़्यादा समय तक बंधक बनाए रखने के बाद सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। उनकी आज़ादी उनके परिवारों के साहस, राष्ट्रपति ट्रम्प के अटूट शांति प्रयासों और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। हम क्षेत्र में शांति लाने के राष्ट्रपति ट्रम्प के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करते हैं। उल्लेखनीय है कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 से बंधक बनाए अंतिम 20 जीवित इजरायली नागरिकों को रिहा कर दिया है।

पानी के बिलों में लेट पेमेंट सरचार्ज की 100% माफी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पानी के लंबित बिलों व अनधिकृत पेयजल व सीवर के कनेक्शनों पर भारी राहत देने की बड़ी घोषणा की हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार अगर लोग अपने पानी के पुराने बिलों को अगले वर्ष 31 जनवरी तक जमा करा देंगे तो उन्हें लेट पेमेंट चार्ज पर 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा अवैध कनेक्शनों पर भी लगने वाली पेनल्टी पर भारी छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री का कहना है कि सरकार की इस योजना के तहत लगभग 11000 करोड़ रुपये सरचार्ज माफ किया जाएगा। सरकार के जलमंत्री प्रवेश साहिब सिंह का भी कहना है कि दिल्ली के लोगों को यह दीपावली का उपहार है। हमने यह कदम जनहित में उठाया है। हमारी सरकार चाहती है कि जल बोर्ड की कार्यप्रणाली को बेहतर व प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार हमारी सरकार चाहती है कि कोई भी उपभोक्ता पुराने बकायों और तकनीकी अड़चनों के कारण पेयजल से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जल उपभोग के बिल दो माह की अवधि के शुल्क पर आधारित होते हैं और यदि कोई उपभोक्ता यह शुल्क समय से जमा नहीं करता, तो उस पर लेट पेमेंट सरचार्ज लगाया जाता है जो चक्रवृद्धि ब्याज की

दर से बढ़ता है। यह बाद में लोगों की परेशानी का कारण बन जाता है और उनका कनेक्शन भी काट दिया जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए लेट पेमेंट सरचार्ज माफी योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत अगर लोग अपने लंबित बिलों की राशि को 31 जनवरी 2026 तक जमा कर देंगे तो उनका लेट पेमेंट सरचार्ज 100 माफ कर दिया जाएगा। यह भुगतान एकमुश्त या किश्तों में किया जा सकेगा। योजना का लाभ तभी मिलेगा जब मूल राशि का पूर्ण भुगतान किया जा चुका हो। उसके बाद 1 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक योजना के तहत 70 प्रतिशत लेट पेमेंट सरचार्ज माफी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सभी उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठाते हैं तो लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का लेट पेमेंट सरचार्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सीमित अवधि के लिए लाई गई अंतिम योजना है ताकि समय पर बिल भरने की आदत को प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने दूसरी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यह उन उपभोक्ताओं के लिए है जिन्होंने अनाधिकृत रूप से जल या सीवर कनेक्शन चालू कर रखे हैं। यह अनाधिकृत जल तथा सीवर कनेक्शन नियमितीकरण योजना 31 जनवरी 2026 तक लागू रहेगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

ग्वालियर की शिविका बनी मिसेज यूनिवर्स ब्यूटी प्रिंसेस

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से नाता रखने वाली शिविका सिंह बैस ने मिसेज यूनिवर्स ब्यूटी प्रिंसेस का खिताब जीता है। इससे पहले भी शिविका कई खिताब जीत चुकी है। जानकारी के अनुसार स्थानीय शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की ब्यूटी कल्चर एण्ड कॉस्मेटोलॉजी ब्रांच की पूर्व छात्रा शिविका सिंह बैस ने ओकाडा मनीला, फिलिपिन्स में आयोजित हुई मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता-2025 में 120 प्रतियोगियों से कड़ा मुकाबला करते हुए मिसेज यूनिवर्स ब्यूटी प्रिंसेस का खिताब जीता है। महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की पूर्व छात्रा शिविका सिंह को मिसेज यूनिवर्स ब्यूटी प्रिंसेस के खिताब के अलावा एक सब सबटाइटल, मिसेज पिलग्रिम्स ड्रीम्स यूनिवर्स 2025, से भी नवाजा गया। उनकी इस उपलब्धि पर तकनीकी शिक्षा विभाग में हर्ष व्याप्त है। तकनीकी शिक्षा आयुक्त अवधेश शर्मा एवं अन्य अधिकारियों ने शिविका की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। दरअसल, शिविका सिंह ने महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय से वर्ष 2018 में ब्यूटी कल्चर एण्ड कास्मेटोलाजी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण किया था। शिविका ने महाविद्यालय के प्राचार्य डा. एए सिद्दीकी से चर्चा के दौरान बताया कि वे पिछले छह महीने से इस प्रतियोगिता की गहन तैयारी कर रहीं थीं। यह सब उपलब्धि दृढ संकल्प, हार्ड वर्क एवं समर्पण का परिणाम है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के लिए हाई लेवल कमेटी का किया गठन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में 2025 में छठ पूजा के आयोजन के लिए स्थलों के चयन और तैयारियों की समीक्षा के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा को इस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह कमेटी राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा के आयोजन के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करेगी और सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, परिवहन और समग्र सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करेगी। इस कमेटी में चार विधान सभा सदस्यों (विधायकों) को शामिल किया गया है, जिनमें अभय कुमार वर्मा, चंदन कुमार चौधरी, संदीप सहरावत और दीपक चौधरी शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, 'छठ पूजा न केवल पूर्वांचल, बल्कि दिल्ली की भी सांस्कृतिक पहचान है। यह हमारी सामूहिक आस्था और एकता का प्रतीक है। दुर्भाग्य से पिछली

सरकारों ने जानबूझकर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का अनादर किया। हालांकि, इस बार दिल्ली सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में छठ पूजा कर सके। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं की सर्वोत्तम व्यवस्था हो।' कपिल मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं और दिल्लीवासियों से इस पर्व में उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेने और स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा, 'छठ केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है, और हम सब मिलकर इसे सफल बनाएंगे। जिस प्रकार सावन माह में कांवड़ यात्रा का आयोजन मेरी देखरेख में सफलतापूर्वक हुआ, उसी प्रकार इस आयोजन का भी संचालन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस बार छठ पूजा और भी भव्यता के साथ मनाई जाएगी। पिछली सरकारों ने छठी मैया के भक्तों के साथ अन्याय किया, लेकिन अब इस पर्व की भावना और स्वरूप पूरी तरह बदल दिया जाएगा।'

मध्य प्रदेश के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात, भेंट की अपनी पुस्तक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश सरकार में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मौके पर प्रह्लाद पटेल ने प्रधानमंत्री को अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक साधना का प्रतीक; मां नर्मदा परिक्रमा के अनुभवों और अनुभूतियों पर संदर्भित पुस्तक 'परिक्रमा-कृपा सार' भेंट की जिसका विमोचन हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया था । पटेल ने इसके साथ ही प्रधानमंत्री को 108 नदियों के उद्गम स्थलों से संकलित पवित्र जल का संग्रह भी एक विशेष लकड़ी के डिब्बे में भेंट किया। इसके साथ शाम को प्रहलाद पटेल ने रक्षा

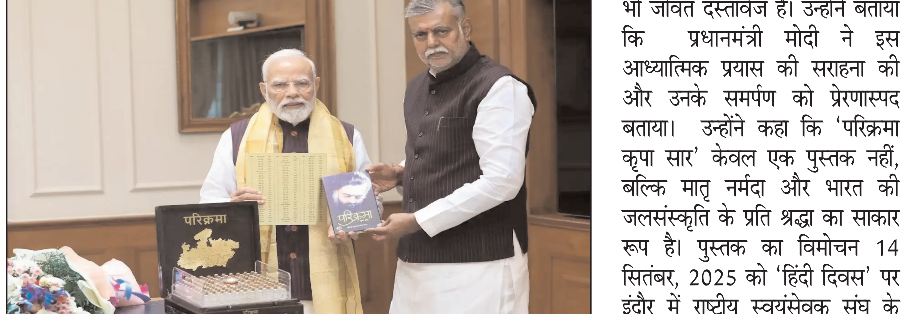

मंत्री राजनाथ सिंह और वयोवृद्ध भाजपा नेता डॉ मुरली मनोहर जोशी से भी भेंट की। मंत्री प्रह्लाद पटेल ने बताया कि यह पुस्तक उनके दो वर्षों के गहन श्रम और साधना का परिणाम है। उन्होंने दो बार नर्मदा परिक्रमा की है। उसी अनुभव, आस्था व तपस्या को इस पुस्तक में समर्पित भाव से संजोया है। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय संस्कृति में नदियों और परिक्रमा की परंपरा का भी जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस आध्यात्मिक प्रयास की सराहना की और उनके समर्पण को प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने कहा कि 'परिक्रमा कृपा सार' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि मातृ नर्मदा और भारत की जलसंस्कृति के प्रति श्रद्धा का साकार रूप है। पुस्तक का विमोचन 14 सितंबर, 2025 को 'हिंदी दिवस' पर इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया था। अब प्रधानमंत्री को इस ग्रंथ का भेंट किया जाना, इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देता है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो एके 47 राइफलें बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। त्योहारों के दौरान चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमेंकरण क्षेत्र के भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक से दो ए.के.-47 राइफल सहित तीन हथियारों का जखीरा बरामद किया है। बरामद किए गए हथियारों के इस जखीरे में एक पी एक्स 5 स्टॉर्म पिस्तौल, ए के-47 की मैगज़ीन और कारतूस भी शामिल हैं। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार की रात को बताया कि

प्रारंभिक जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि ये हथियार पाकिस्तान से आए थे। उन्होंने कहा कि तस्करों की पहचान करने और इस तस्करी नेटवर्क के पीछे के लोगों व संबंधों का खुलासा करने के लिए आगे की जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने जानकारी दी कि बीएसएफ अधिकारियों को खेमकरण सेक्टर के अंतर्गत भारत-पाकिस्तान सीमा पर गांव महिदीपुर के पास सीमा पार से हथियारों की एक खेप आने संबंधी पुख्ता सूचना मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसओसी अमृतसर ने बीएसएफ के साथ समन्वय कर गांव महिदीपुर क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान हथियारों की यह खेप बरामद की गई।

शक्तिसिंह गोहिल बने संसद की लोक लेखा समिति (PAC) की सब-कमेटी के संयोजक

रफ़्तार हेडलाइन

नई दिल्ली। संसद की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक समिति, लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee - PAC) की सब-कमेटी ऑन एक्शन टेकन रिपोर्ट्स (ATR) के संयोजक (Convenor) के रूप में गुजरात से कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल की नियुक्ति की गई। यह समिति भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की ऑडिट रिपोर्टों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करेगी।

इस सब-कमेटी में उत्तर प्रदेश से सांसद धर्मेंद्र यादव को वैकल्पिक संयोजक (Alternate Convenor) बनाया गया है। वहीं समिति के अन्य सदस्यों में डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, सुखेंदु शेखर रे, सांसद अपराजिता सारंगी, प्रफुल पटेल और निशिकांत दुबे शामिल हैं। लोक लेखा समिति संसद की प्रमुख वित्तीय निगरानी समितियों में से एक है, जो केंद्र सरकार के व्यय, लेखा-परीक्षण और आर्थिक जवाबदेही पर नजर रखती है। शक्तिसिंह गोहिल को समिति का संयोजक बनाए जाने के बाद राजनीतिक हलकों में इसे कांग्रेस के लिए एक अहम जिम्मेदारी और विश्वास के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। PAC की यह सब-कमेटी सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा CAG और PAC की सिफारिशों पर लिए गए एक्शन टेकन रिपोर्ट्स की जांच करेगी और उसके आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संसद में प्रस्तुत करेगी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा देशभर में वक़्फ़ संपत्तियों को बचाने के लिए चलाएगा जागरूकता अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी ने दुश्वारियों से बचने के लिए 05 दिसम्बर 2025 तक वक़्फ़ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगा, लोगों को जागरूक करेगा जिसके लिए टीम का गठन किया जाएगा। विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि उम्मीद पोर्टल पर संपत्तियों का पंजीकरण करने से वक्फ की जमीनें एवं भवन स्थायी रूप से सुरक्षित रहेंगे। पंजीकरण न कराने पर संपत्ति का दर्जा समाप्त हो जाएगा। बाद में केवल वक्फ ट्रिब्यूनल के आदेश पर ही पुनः पंजीकरण संभव होगा। जमाल सिद्दीक़ी ने

सभी मुतवल्लियों से अपील की है कि वे समय रहते अपने अभिलेखों की जांच कर उम्मीद पोर्टल पर विवरण दर्ज करें, ताकि किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही से बचा जा सके। केंद्र सरकार ने वक्फ अधिनियम 2025 के बाद 'उम्मीद पोर्टल' की शुरुआत की है, जिसका मकसद है। मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान और वक्फ ज़मीनों का सरकारी रिकॉर्ड तैयार करना रजिस्ट्रेशन होने पर संपत्ति कानूनी सुरक्षा में आ जाएगी और किसी भी ज़मीन पर आने वाले वक्त में अगर विवाद उठे तो सरकारी रिकॉर्ड गवाही देगा। देर हुई तो वक्फ संपत्तियां 'अपंजीकृत एवं विवादित' कैटेगरी में चली जाएंगी और दस्तावेज़ न होने के कारण हक जताना मुश्किल हो जाएगा। जमाल सिद्दीक़ी ने कहा कि इस डिजिटलीकरण से पारदर्शिता आयेगी सभी वक्फ संपत्तियों को 5 दिसंबर के भीतर केंद्रीय पोर्टल पर पंजीकृत करना अनिवार्य है, जिससे गलत प्रविष्टियां रोकने और सूचना का केंद्रीकरण सुनिश्चित होगा । डाटाबेस होने से हेरा फैरी कर हड़पी गई प्रॉपर्टी को ढूंढने में आसानी होगी । महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित होगा परिवार-वक्फ में महिला उत्तराधिकारियों का हक़ सुरक्षित होगा, और वे वक्फ घोषणा से पहले अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकेंगी । उन्होंने कहा कि गैर-वैध वक्फ की रोकथाम होगी 'वक्फ बाय यूज़र' की परंपरागत अवधारणा समाप्त, और केवल औपचारिक रूप से घोषित वक्फ को मान्यता मिलेगी । वक्फ संपत्ति अब ऑनलाइन केंद्रीय पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से बेईमानी और गलत प्रविष्टियों पर लगाम लगेगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि वक़्फ़ की संपत्तियों को कब्ज़ा करना अब नामुमकिन होगा।

देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटी, लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा

2023 में 2.50 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम;

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था। वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थीं। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डेशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकेंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

झारखंड में सबसे कम सेक्स रेशो

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में सबसे कम सेक्स रेशो बर्थ झारखंड का रहा है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 899 लड़कियों का जन्म रिकॉर्ड हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार है, यहां का आंकड़ा 900 है। तीसरे नंबर पर तेलंगाना 906, चौथे पर महाराष्ट्र 909, पांचवे पर गुजरात 910, छठे पर हरियाणा 911, 7वें नंबर पर मिजोरम 911 है। 2020 से बिहार लगातार सबसे कम सेक्स रेशो दर्ज कर रहा है। सबसे ज्यादा सेक्स रेशो (जन्म) के मामले में अरुणाचल प्रदेश में पहले नंबर है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 1085 लड़कियों ने जन्म लिया। दूसरे नंबर नगालैंड 1007, तीसरे पर गोवा 973, चौथे पर लद्दाख-त्रिपुरा 972, पांचवे पर केरल 967 है।

इन राज्यों में सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90 प्रतिशत रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80 प्रतिशत के बीच रहा है। 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90 प्रतिशत से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं। साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4 प्रतिशत रहा।

कुपवाड़ा में एनकाउंटर : सेना ने 2 आतंकवादियों को किया ढेर, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास 2 आतंकवादियों को सेना ने ढेर कर दिया है। माचिल और दुदनियाल इलाकों में इस मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान शुरु किया गया है। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई। क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले, कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने एक पुराने मोर्टार गोले का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गोला स्थानीय निवासियों से मिली सूचना के आधार पर रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर के करोल मथुरा सीमावर्ती गांव में खेत में बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और मोर्टार गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया।सीमा सुरक्षा बल ने सर्दियों से पहले जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है, क्योंकि इस दौरान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका है। बीएसएफ के सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी से पता चला कि आतंकवादी घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा पार विभिन्न लांच पैडों पर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर देखा गया है कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने अपने जवानों और अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में की हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को बरामदगी में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल (मैगजीन सहित) और 10 जिंदा कारतूस मिले है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। एसएसओसी, अमृतसर ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ की सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा की, और डीजीपी गौरव यादव ने भी इस संबंध में एक पोस्ट किया था। यह अभियान संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की भी अपील की है।

जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगा है। मंगलवार को फिर स्पाइस जेट एयरलाइंस की जयपुर से दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। वहीं दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट भी अपने निर्धारित वक्त से लेट है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को परेशान होना पड़ा है। दरअसल, दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से लेट चल रही है। फ्लाइट को अल सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर दुबई से जयपुर से लिए उड़ान भरनी थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से यह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 6 घंटे है। जो सुबह 3 बजे बाद जयपुर पहुंचेगी। वहीं स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। स्पाइस जेट एयरलाइंस की फ्लाइट को आज सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद फ्लाइट को दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर दुबई पहुंचना था। लेकिन इनकमिंग एयर क्राफ्ट की देरी की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस ने आखिरी वक्त पर दुबई फ्लाइट को री-शेड्यूल किया है। इसके बाद अब अपने निर्धारित वक्त से लेट 3 बजकर 30 मिनट बाद दुबई के लिए उड़ान भर पाएगी।

16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नज़र रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

मोहन सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश किया सर्वे... चर्चा का विषय बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में सर्वे का जिक्र किया। सर्वे के हवाले से मध्य प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में 10 हजार शहरी और ग्रामीण परिवारों का सर्वे हुआ। सर्वे में शामिल 56 फीसदी ओबीसी वर्ग के लोगों ने बताया कि जब उच्च जाति का कोई व्यक्ति उनके घर से गुजरता है, तब वे बैठे नहीं रह सकते। वे सम्मान देने के लिए खड़े होते हैं। यह सर्वे महू स्थित डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से हुआ है। राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी तक बढ़ाने को सही ठहराने की दलील देकर सर्वे को पेश किया गया है। सर्वे को 2023 में किया गया था। सर्वे में शामिल 3,797 परिवारों ने माना कि छुआछूत अब भी उनके गांवों में मौजूद है। इसके अलावा जाति के आधार पर मोहल्ले बंटे हुए हैं। इसके अलावा 3,238 परिवारों का कहना है कि उनके घर में आकर कोई ब्राह्मण पूजा-पाठ नहीं कराता। इसका कारण जाति होता है। इसके अलावा 57 फीसदी यानी करीब 6 हजार लोगों का कहना था कि उनकी जाति के लोगों को मंदिर में पुजारी नहीं बनाया जा सकता। उन्हें किसी मठ या आश्रम का प्रमुख नहीं बनाया जाता। इसके अलावा करीब 50 फीसदी लोगों का कहना था कि उनके परिवार के सदस्यों को धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलता। एक मजेदार बात यह भी रही कि मध्य प्रदेश सरकार ने अदालत में ओबीसी आरक्षण को लेकर जो एफिडेविट दिया है, उसमें प्राचीन भारत को जातिविहीन बताया गया है। इसके अलावा कहा गया है कि वैदिक काल में भेदभाव नहीं था, लेकिन कालांतर में चीजें बदल गईं। भारत में ही एक वर्ग का जाति के आधार पर भेदभाव हुआ। किसान और पेशेवर जातियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती चली गई। यही आज ओबीसी वर्ग का हिस्सा हैं। इस दलील के साथ ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है। अब तक सूबे में 14 फीसदी ओबीसी कोटा ही मिलता है।

370 हटाने के विरोध में आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले गोपीनाथन ने कहा- कांग्रेस देश को सही दिशा देने में सक्षम

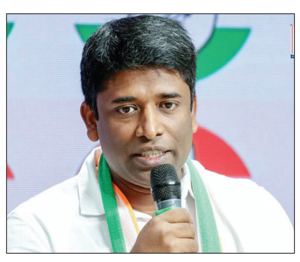

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से व्यथित हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन ने विरोध में नौकरी छोड़ दी। अब उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसके बाद कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। साल 2012 बैच के अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दियु में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

वोट चोरी मामले में बीआरएस ने चुनाव आयोग से की बिहार की तरह एक्शन की मांग

हैदराबाद (एजेंसी)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वोट चोरी के सबूतों के साथ एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। इस मुलाकात के बाद, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुए इस लोकतांत्रिक घोटाले का पर्दाफाश किया। केटीआर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, जुबली हिल्स में तीन तरह की बड़ी धांधलियां हो रही हैं, सबसे पहले वोटों का भारी दोहराव किया गया है। उन्होंने कहा, एक-एक आदमी को तीन-तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किए गए हैं। हमारी जानकारी के मुताबिक, लगभग 2,000 लोगों के पास डुप्लीकेट या ट्रिप्लीकेट वोटर आईडी हैं और ये सभी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि मनचेरियल, गडवाल और नागरकुरनूल जैसे जिलों में पंजीकृत मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी की मिलीभगत से रातों-रात जुबली हिल्स का वोटर बना दिया गया? अकेले 2 सितंबर को हजारों वोट अवैध रूप से सूची में शामिल कर दिए गए। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहता है तो BRS न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, सीईओ ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरता से देखेंगे। हमें उम्मीद है कि वे कार्रवाई करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर भी दबाव बनाते हुए कहा, यह विडंबना है कि जो कांग्रेस पार्टी बिहार में वोट चोरी का आरोप लगाती है, वही पार्टी तेलंगाना में उपचुनाव जीतने के लिए उसी तरह के कदाचार में लिप्त है। हम केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले पर संज्ञान लें, राज्य सीईओ से रिपोर्ट मांगें और लोकतंत्र की पवित्रता को बनाए रखने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

चुनाव आयोग के सामने रखीं तीन मांगें

उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि निचले स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कैसे संभव हुआ। इसके बाद दूसरी मांग इस चुनावी कदाचार के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाकर दंडित करने की है। वहीं तीसरी मांग नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से पहले, धोखाधड़ी से जोड़े गए सभी 19,000 वोटों को मतदाता सूची से तत्काल हटाया जाए।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओं की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदबाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

एआई आने से आईटी सेक्टर की 50 हजार नौकरियों पर लटकी तलवार

-कंपनियां छंटनियां खुलकर नहीं, 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में कर रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का आईटी सेक्टर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। 2025 के आखिर तक करीब 50 हजार कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये छंटनियां खुलकर नहीं, बल्कि 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में की जा रही है। आईटी कंपनियां अब कर्मचारियों को सीधे निकालने के बजाय 'परफॉर्मेंस' या 'रोल एडजस्टमेंट' के नाम पर उन्हें निकाल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल जहां 25 हजार लोगों की नौकरी गई थी, वहीं इस साल यह संख्या दोगुनी हो सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का है, जिसने जुलाई में अपने कुल स्टाफ का 2 फीसदी यानी करीब 12 हजार लोगों को हटाने की योजना बनाई। इसी तरह भी 11 हजार कर्मचारियों को निकालते हुए 865 मिलियन डॉलर का खर्च-कटौती कार्यक्रम शुरू किया है। आईटी सेक्टर की इस मंदी के पीछे सबसे बड़ा कारण है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल।

अब पहले जो काम सैकड़ों इंजीनियर करते थे, वो एआई टूल्स कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब एआई-सक्षम सिस्टम्स पर ज्यादा निर्भर हैं, जिससे पुराने स्किल वाले कर्मचारी अनावश्यक हैं। कई कर्मचारियों के पास अब वे कौशल नहीं हैं जिनकी मांग नए जमाने के प्रोजेक्ट्स में है। आने वाले साल में यह संख्या 60 हजार तक पहुंच सकती है।

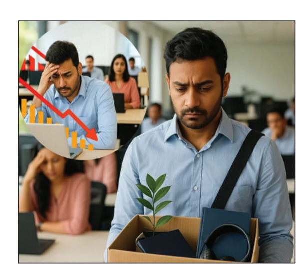

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौर लंबा चल सकता है क्योंकि कंपनियां अब कम लोगों में ज्यादा काम करवाने की ओर बढ़ रही हैं। पुराने मॉडल, जहां बड़ी संख्या में फ्रेशर्स रखे जाते थे, अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। हालांकि विश्लेषक कहते हैं कि यह संकट नई स्किल्स सीखने वालों के लिए मौका है। क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी जैसी फील्ड्स में नौकरी की संभावना अब भी बनी हुई है।

ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड... ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है।

इसकारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है।

ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है।

देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूयतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूयतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ।

नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले है।

सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सतही तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।

2016 और 2021 में भी हो चुका बंद, वायरस के कारण लगी थी लोगों के जाने पर रोक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) 30 अक्तूबर के बाद फिर से दर्शकों के लिए खोला जाएगा। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, कोई सक्रिय वायरस मौजूद नहीं है लेकिन एहतियात के तौर पर दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दो और निगरानी नमूने लिए जाएंगे, उनके परिणाम के आधार पर फैसला लिया जाएगा। चिड़ियाघर प्रबंधन सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी सभी निर्धारित जैव सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन कर रहा है। निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि 15 दिनों के अंतराल पर नमूने लेने के दो अतिरिक्त दौर आयोजित किए जाएंगे। इन निगरानी नमूनों के परिणामों के आधार पर 30 अक्टूबर के बाद चिड़ियाघर को आगंतुकों के लिए फिर से खोलने का निर्णय लिया जाएगा। निदेशक ने बताया कि चिड़ियाघर अपने पशु संग्रह के स्वास्थ्य और कल्याण के साथ-साथ आगंतुकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एवियन इन्फ्लुएंजा (एच 5एन8) के प्रसार को रोकने के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदमों में जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्त पालन, नियमित निगरानी और पशु स्वास्थ्य की लगातार जांच शामिल है। चिड़ियाघर के फिर से खुलने की संभावना से स्थानीय निवासियों और पर्यटकों में उत्साह देखा जा रहा है। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, चिड़ियाघर दोबारा खोलने के बाद सभी आगंतुकों के लिए सुरक्षा और स्वच्छता के नए दिशा-निर्देश लागू किए जाएंगे। मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और निर्धारित मार्गों पर ही घूमना अनिवार्य किया जाएगा। वहीं, पशुओं के बाड़ों के पास अनावश्यक भीड़ न लगे इसके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। इससे पहले चिड़ियाघर 30 अगस्त को उस समय बंद कर दिया गया था, जब एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई थी। उस दौरान 12 पक्षियों की मौत हुई थी। 24 अगस्त से 6 सितंबर के बीच पानी वाले पक्षी एवीयरी और आइसोलेशन वार्ड में नौ पेंटेड स्टॉर्क और तीन ब्लैक-हेडेड आइबिस की मौत हुई थी। इनमें से 7 सैंपल्स में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई थी। हालांकि, 28 अगस्त के बाद से एवीयरी में कोई मौत दर्ज नहीं हुई।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली का होगा विकास, समाज कल्याण मंत्री ने पीडब्ल्यूडी मंत्री को लिखा पत्र

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली। 14 अक्टूबर। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को बेहतर और सुरक्षित यातायात के लिए पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह को बवाना से होकर गुजरने वाली प्रमुख स?कों के डिमार्केशन और चौ?ीकरण हेतु पत्र लिखकर, इसके त्वरित कार्यान्वयन हेतु निर्देश देने का आग्रह किया। समाज कल्याण मंत्री ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास के लिए बवाना से औचंदी बॉर्डर की ओर जाने वाले जीटी करनाल रोड के सीमांकन, चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण, डीएसआईआईडीसी कट से राजीव गाँधी स्टेडियम तक फ्लाईओवर निर्माण और मंगोलपुरी चौक से कंझावला तक फ्लाईओवर निर्माण की जरुरत बताई। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि बवाना से औचंदी बॉर्डर की ओर जाने वाले जीटी करनाल रोड औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। इस पर उद्योगों से जु? भारी वाहन गुजरते हैं। साथ ही रिहायशी कॉलोनियों से औद्योगिक क्षेत्रों में भी ब?ी संख्या में कर्मचारियों व अन्य लोगों का नियमित आवागमन होता है। वर्तमान में यह सड़क कई जगहों पर संकरी और असमान है, जिससे हैवी ट्रैफिक के कारण जाम लगता है, दुर्घटनाएँ होती हैं और आमजन के लिए यातायात बाधित होता रहता है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में लोगों की यह समस्याएं अक्सर आती हैं, उन्होंने पीडब्ल्यूडी मंत्री से अनुरोध किया कि संबंधित क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़क के सीमांकन, चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु दिशानिर्देश दें। समाज कल्याण मंत्री ने पत्र के जरिये ग्रामीण गौशाला के नजदीक डीएसआईआईडीसी कट से राजीव गाँधी स्टेडियम तक फ्लाईओवर निर्माण हेतु भी लिखा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि इस हिस्से में बढ़ता ट्रैफिक जाम स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। लगातार जाम से प्रदूषण और सुरक्षा के खतरे बढ़ रहे हैं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मंत्री से इस विषय पर विशेष ध्यान देते हुए फ्लाईओवर निर्माण के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया। रविन्द्र इन्द्राज ने मंगोलपुरी चौक से कंझावला तक लगने वाले ट्रैफिक जाम के कारण स्थानीय निवासियों और दैनिक यातायात में होने वाली समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए इसके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश देने का भी पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह से आग्रह किया। उन्होंने मंगोलपुरी चौक (आउटर रिंग रोड) से कंझावला तक फ्लाईओवर निर्माण हेतु आग्रह किया।

नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल दो सगे भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम जिला पुलिस ने सब्जी विक्रेता और टेंपो चलाने की आड़ में नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मनीष और सुरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। इन पर पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बताया कि जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम सक्रिय तस्करों पर निगरानी रख रही थी। 8 अक्तूबर को निरीक्षक राजेश मौर्य के नेतृत्व में टीम रघुबीर नगर के टीसी कैंप चौक के पास गश्त कर रही थी। पुलिस ने दो लोगों को बैग लिए संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो दोनों वहां से भागने लगे, पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके बैग से प्लास्टिक और भूरे रंग के टेप में लिपटे गांजे के तीन पैकेट मिले।

मुकदमों से बचने के लिए शातिर ने खुद को किया मृत घोषित

नई दिल्ली। मूलरूप से गोरखपुर, उत्तर प्रदेश निवासी वीरेंद्र विमल ने आपराधिक मुकदमों से बचने के लिए खुद को मृत घोषित कर दिया। उसने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से अपनी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया था और अदालत में जमा करा दिया था। इसके बाद कोर्ट ने इसके केसों को बंद कर दिया था। मगर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी बदमाश की छूट से पर्दा उठा कर जिंदा कर लिया। आरोपी के गैर जमानती वारंट जारी हो रखे थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट को आरोपी के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में बता दिया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि आरोपी गांव राजौरा खुर्द, थाना पानीयारा जिला महाराजगंज यूपी निवासी वीरेंद्र के अदालत में पेश न होने और जाली एमसीडी मृत्यु प्रमाण पत्र के माध्यम से उसे मृत घोषित किए जाने के बाद शाखा की आईएससी यूनिट में तैनात इंस्पेक्टर सतेंद्र पूनिया और इंस्पेक्टर सोहन लाल की टीम ने इस मामले में फिर से जांच करने के आदेश दिए गए थे। डिजिटल रिकॉर्ड की गहन जांच और स्थानीय सत्यापन के माध्यम से टीम ने ये पता लगा लिया कि आरोपी की मृत्यु नहीं हुई है। ये भी पता लगा कि न्यायिक प्रक्रिया को धोखा देने के लिए धोखाधड़ी से प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था। इंस्पेक्टर सतेंद्र पूनिया और सोहन लाल की टीम ने आरोपी को गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली के मुंगेशपुर में रह रहा वीरेंद्र विमल बाहरी उत्तरी जिले के बवाना थाना अंतर्गत घर में सेंधमारी, चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामलों में शामिल रहा है। उसने 24 अगस्त, 2021 को अपनी मौत का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया था। अपराध कुंडली एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल सत्यापन द्वारा आरोपी की पहचान निर्णायक रूप से स्थापित की गई। फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरआरएस) ने उसकी वर्तमान तस्वीर का मिलान उसके पिछले पुलिस दस्तावेज़ से किया, जिससे यह संदेह दूर हो गया कि गिरफ्तार व्यक्ति वही व्यक्ति है जिसने अदालत में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जमा किया था। इसके खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी मुख्य रूप से रात में औद्योगिक इकाइयों और आवासीय संपत्तियों को निशाना बनाता था। ये नकदी, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन चुराता था। वह चोरी के वाहनों का इस्तेमाल आगे की चोरियों को अंजाम देने और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए करता था। अभियोजन से हमेशा के लिए बचने के लिए, उसने धोखे से खुद को मृत घोषित कर दिया, जिससे पुलिस और अदालत दोनों को गुमराह किया गया।

महिला ने कमरे में फंदा लगाकर की आत्महत्या

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर थाना अंतर्गत कासन गांव में एक महिला ने शुक्रवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कमरे का निरीक्षण किया। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतका की पहचान हिमांशी (21 वर्ष) के रूप में हुई है। वह अपने पति पवन भारद्वाज के साथ कासन में किराये के कमरे में रह रही थी और उसका मायका दिल्ली के उत्तम नगर में है। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब ढाई साल पहले हिमांशी की शादी हुई थी। उसका पति मानेसर क्षेत्र की एक निजी कंपनी में काम करता है। शुक्रवार को पति ड्यूटी पर गया हुआ था। रात को जब वह वापस कमरे पर आया तो कमरा अंदर से बंद मिला। जब पवन ने कमरे में झांककर देखा तो हिमांशी का शव फंदे से लटका हुआ था। मामले में आईएमटी मानेसर थाने की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मृतका के पति पवन भारद्वाज और उसके मायके वालों बयान दर्ज किए हैं। जांच में पता चला कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मामले में कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई। मायके वालों ने किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं दी है। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आत्महत्या मामले में अन्य कारणों की जांच की जा रही है।

दो साल से कम उम्र के बच्चों को न दें खांसी और सर्दी की दवा

नई दिल्ली। कफ सिरप से मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के मामले सामने आने के बाद अधिकारिक तौर पर दिल्ली सरकार के परिवार कल्याण निदेशालय ने कफ सिरप के इस्तेमाल और दवाओं की खुराक के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। इसमें सभी अस्पतालों को दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं न देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को भी सामान्य तौर दवा की सिफारिश न की जाएं। एडवाइजरी के अनुसार बाल चिकित्सा देखभाल में खांसी और सर्दी की दवाएं दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को निर्धारित या वितरित नहीं की जानी चाहिए। आमतौर पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं की जाती हैं। बच्चे को खांसी या सांस लेने में कठिनाई के तहत प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। अस्पताल केंद्र सरकार के तीन अक्तूबर के जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करें। साथ ही स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का ऑडिट किया जाएं। इसमें पांच आर पर ध्यान केंद्रित करें। इसमें सही व्यक्ति, सही दवा, सही खुराक, सही मार्ग, सही समय का पालन सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मी किसी भी मामले और असामान्य मृत्यु के बारे में समय पर रिपोर्ट करें। वहीं दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग ने सभी हितधारकों को कोल्ड्रिफ सिरप की तत्काल प्रभाव से खरीद, बिक्री और वितरण में शामिल न होने के संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। साथ ही आम लोगों को कफ सिरप के सेवन से परहेज के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए है।

देश का पहला रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट किया, इनके लिए निशुल्क

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट को किफायती बनाकर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एम्स अस्पताल के प्रशासन का दावा है कि जहां निजी अस्पतालों में इस सर्जरी के लिए 20 लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एम्स में यह निशुल्क या मात्र 20 से 25 हजार रुपये में संभव हो रहा है। यही नहीं, इसकी सबसे खास बात यह है कि आयुष्मान भारत कार्डधारकों के लिए यह सुविधा निशुल्क भी उपलब्ध होगी। शुक्रवार को सर्जरी एवं रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के प्रो. वीके बंसल और विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील चुम्बर ने इस बारे में जानकारी दी। एम्स में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया गया कि आठ अक्तूबर को एम्स में 27 वर्षीय मरीज का रोबोट-सहायता से किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह तीन सितंबर से अब तक की पांचवीं सर्जरी थी। सर्जरी विभाग के प्रो. वीके बंसल ने बताया कि दा विंची सर्जिकल रोबोट की मदद से सर्जरी में छोटा चीरा, कम रक्त हानि और तेज रिकवरी संभव हो रही है। मरीज को सामान्य ट्रांसप्लांट के मुकाबले कम दर्द होता है और एक सप्ताह में ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है।

अवैध खनन पर निगरानी के लिए दिल्ली-यूपी को फरमान

दिल्ली। एनजीटी ने दिल्ली और गाजियाबाद के बीच यमुना में हो रहे अवैध खनन पर रोक के लिए दिल्ली और उत्तर प्रदेश प्रशासन को संयुक्त रूप से कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। यमुना में अवैध रेत खनन से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेकर एनजीटी ने इस मामले में सुनवाई शुरू की थी। न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने उत्तर प्रदेश खनन विभाग द्वारा दाखिल हलफनामे पर विचार किया। पीठ ने जिला खनन अधिकारी को अगली सुनवाई से एक दिन पहले एनजीटी के पूर्व निर्देशों के अनुपालन में की गई कार्रवाई का हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। इसके अलावा दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को दिल्ली-उत्तर प्रदेश संयुक्त अंतरराज्यीय टास्क फोर्स के लिए नामित अधिकारियों की सूची पेश करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने संयुक्त टास्क फोर्स को संयुक्त निरीक्षण और बैठकें आयोजित करने का भी आदेश दिया तथा सभी कार्रवाइयों और बैठकों की कार्यवृत्ति प्रस्तुत करने को कहा।

NAME CHANGE
I, Sukdev Raj Rampal s/o Sunder Dass R/o 835, DDA Tenaments Four Stories, Vishal Enclave, Rajouri Garden, West Delhi-110027 have changed my name to Sukhdev Raj for all future purposes

NAME CHANGE
I, AMANJEET SINGH SARLA S/O KARAMJEET SINGH R/O C-34, NIRMALPURI, OLD DOUBLE STOREY, LAJPAT NAGAR-IV, NEW DELHI-110024, I have changed my name from AMANJEET SINGH TO AMANJETT SINGH SARLA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. 1. Regd. Sale Deed Dated 27.06.2011 With Document No. 2873, Book No. 1, Volume No. 3543, Pages 113 to 130 Which executed by Sh. Sharafat Ali in favour of Sh. Tejpal. 2.Regd. Sale Deed Dated 18.10.2014 With Document No. 20815, Book No. 1, Volume No. 7450, Pages 185 to 196 Which executed by Sh. Tejpal in favour of Smt. Kavita Jha pertaining to "Vacant Residential Plot of Land Area Measuring 60 Sq. Yds., Out of Khasra No. 492 MI, Situated at Village Haldoni, Pargana and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Smt. Kanchan Mishra who has agreed to Sell the 'said property' to Sh. Brijesh and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., SHAHDARA BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated : 14-10-2025
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I, PAIR KOUR Mother of JC-571869P Rank-SUB Name-RASHPAL SINGH Presently residing at VILL-CHAK WASSAN, PO-BHAM, TEH-BATALA, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143527, have changed my name from PAIR KOUR to PIAR KAUR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/10/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1952 vide Affidavit dated 14/10/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Diksha W/o Ankush Narang R/o 13/96, Subhash Nagar, New Delhi - 110027 have changed my name to Diksha Verma for all purposes.

NAME CHANGE
I, No-14646483P Rank-HAV Name-KAILSH SINGH YADAV Presently residing at VILL-AHIRO KI DHANI, PO-HOD, TEH-KHANDELA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332709, have changed my mother's name from SAJNA DEVI to SAJANA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 14/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GAJENDER KUMAR MUDGIL son of BHAGWAN DASS resident of WZ-1086, D/1, BASAI DARA PUR, RAMESH NAGAR, DELHI-110015 have changed my name to GAJENDER KUMAR MUDGAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SUNITA DEVI wife of GAJENDER KUMAR MUDGAL resident of WZ-1086, D/1, BASAI DARA PUR, RAMESH NAGAR, DELHI-110015 have changed my name to SUNITA SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BHAGWAN DASS MUDGIL son of ISHWARI PRASAD resident of WZ-1086, D/1, BASAI DARA PUR, RAMESH NAGAR, DELHI-110015 have changed my name to BHAGWAN DASS for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Varsha Azad W/o Sanjeev Azad R/o H.No-40, Gandhi Ganj, Hapur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245101 have changed my name and shall hereafter be known as Shikha Agarwal.

NAME CHANGE
I, HIMANSHU S/O BHUWAN CHAND, R/O FLAT NO.B-605, SHREE VARDHMAN MANTRA, B-BLOCK, SHREE VARDHMAN MANTRA SOCIETY, Sector, GOLF COURSE EXT. ROAD, GURGAON, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO HIMANSHU UPADHAYAY FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as Mritun S/O Kali Pada, R/O House no-123, Gali no-22, Chhuriya Mohalla, Tughalkabad Village, New Delhi, Badarpur, South Delhi, Badarpur, Delhi, 110044, have changed my name and shall hereafter be known as MRITUNJOY HALDAR.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद लोनी गाजियाबाद के सम्पत्तिकर अभिलेखों में भवन संख्या-774, वार्ड नम्बर-33N, प्रॉपर्टी आई डी0-0905601072214755 R, मौहल्ला-14-DLF ANKUR VIHAR MM ROAD, स्थित MM-22GF-03 ANKUR VIHAR, DLF पर श्रीमती लाजवन्ती गोड़ व नीलम शर्मा c/o सत्यपाल भारद्वाज का नाम दर्ज है। उपरोक्त भवन पर क्रेता श्रीमती रशपाल कौर पत्नी श्री नरपाल सिंह अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करवाना चाहते हैं। क्रेता द्वारा साक्ष्य के रूप में रजिस्ट्रर्ड बैनामा, आधार कार्ड, शपथ पत्र एते निर्धारित शुल्क जमा की छायाप्रति सलग्न की गई है। नगर पालिका अधिनियम के अन्तर्गत सम्पत्तिकर में नामान्तरण के लिए पालिका अभिलेखों में आवेदक क्रेता के प्रार्थना- पत्र व संलग्न साक्ष्यों के आधार श्रीमती रशपाल कौर पत्नी श्री नरपाल सिंह का उल्लिखित भवन पर नामान्तरण किया जाना है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति संस्था द्वारा कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अन्दर साक्ष्य सहित नगर पालिका परिषद लोनी के कर-अनुभाग प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय तिथि पश्चात कार्यालय द्वारा किसी आपूर्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
श्रीमती रशपाल कौर पत्नी श्री नरपाल सिंह
निवासी -मकान नं-[illegible]-22, [illegible], GF-03,DLF, ANKUR VIHAR, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102.

NAME CHANGE
I, NEERAJ BABBAR S/O NARESH BABBAR R/O T-3-2102, GODREJ WOODS, SECTOR-43, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 have changed the name of my minor son AAKARSH KUMAR, aged 14 years and he shall hereafter be known as AKARSH BABBAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sundeep Kumar Saharan S/o Shri Ramdhan Singh R/o H.No-55, 1st Floor, Gali No 19 A-2 Block, West Sant Nagar, Burari, North Delhi, Delhi-110084 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Aaniya in my minor daughter Aaniya Saharan aged 14 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is Aaniya Saharan.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Aashish Sharma S/O Dharampal Sharma R/O W Z 203, GALI NO 13, SADH NAGAR, PALAM COLONY, Palam Village S.O, DIST: South West Delhi, Delhi-110045, declare that the name of mine and my wife has been wrongly written as Ashish and Nitu in my minor daughter namely Dishita Sharma aged 14 years in her school records, the actual name of mine and my wife are Aashish Sharma and Neetu, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Riya Sharma D/O Vishal Sharma R/O. H.no-828-DDA, Tenaments Vishal Enclave, New Delhi - 110027 changed my name to Riya.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as AVANI RAI D/O RAGHU RAI R/O 3B, Green View Apartment, Jain Mandir Dada Bari Road, Mehrauli, South Delhi, New Delhi -110030, have changed my name and shall hereafter be known as AVANI KAUR RAI.I have changed only my name and not my religion.

धर्म परिवर्तन
मै. सलमान रहमान पुत्र शफीक रहमान निवासी 3/182, रुई की मंडी कलारी वाली गली, शाहगंज, शाहगंज आगरा, उत्तर प्रदेश -282010, (ID No. 2985 7839 2544) में शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि यह कि मैं अपनी इच्छा से बिना किसी दवाब के अपना नाम सलमान रहमान से राजु (परिवर्तन) कर रहा हूँ। यह कि आज मुझे राजू नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE
I, Preeti W/O Mukesh Kumar, R/O H.NO-721, Gali N0 -13, Mandoli Extn., DELHI, Mandoli Saboli, North East, Delhi, 110093, have changed the name of my minor son Dharam Veer 15 years and he shall hereafter be known as ADITYA.

NAME CHANGE
I, Mohammad Azhar Zahid Hasan S/o Mohd Zahid Hasan R/o A-64, Gali No. 5, Guru Nanak Nagar, old Mustafabad, Delhi-110094 have changed my name to Md Azhar for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohammad Mahizuddin Kalu S/o Mohammad Quasim R/o A-78, 79 and 80, Block-A, Kh No.15/22, Chanakya Place Part-1, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Mohammad Mahizuddin for all future purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAKESH KUMAR S/o SATISH KUMAR, R/o H.No.-1167, Bawana, North West Delhi-110039, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as RAKESH and KAVITA in my minor daughter's namely MINAKSHI aged 16 years in her school record. The actual name of mine and my wife are RAKESH KUMAR and KAVITA RANI, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Barkha Jain W/o Mr. Pramod Kumar Jain is the owner of Freehold Residential Built-up Second Floor, without terrace/roof rights, Part of Property No. 374/1-A, area measuring 73 Sq. Yards, i.e. 61.0353 Sq. Meters, Built on Plot No. 27, out of Khasra No. 1352/1068/511 min., situated in the area of Village Chandrawali alias Shahdara in the Abadi of Bhola Nath Nagar, Gali No. 4, Jharkhandi Mandir Road, Illaqa Shahdara, Delhi- 110032. by virtue of Sale deed dated 01.10.2020 as Doc. No. 4896, Vol. No. 2338, Book No. 1, Pages No. 126-138, on this dated 01.10.2020, SR- IV-B Vivek Vihar, Delhi. till date and has lost/Misplace his (1) Original Sale deed dated 28.04.2009 executed by Mrs. Rita Chawla in favour of Mrs. Seema Sachdeva & Mrs. Sunita Sethi as Doc. No. 4723, Vol. No. 3987, Book No. 1, Pages No. 167-172, on this dated 28.04.2009, SR-VIII, Delhi. & (2) Original Sale deed dated 19.07.2017 executed by Mrs. Seema Sachdeva W/o Mr. Dinesh Schdeva & Mrs. Sunita Sethi W/o Mr. Vinod Kumar Sethi in favour of Mrs. Gurmeet Kaur W/o Mr. Davinder Singh as Doc. No. 4788, Vol. No. 1134, Book No. 1, Pages No. 125-133, on this dated 19.07.2017, SR- IV-b Vivek Vihar, Delhi. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: NSP Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

पानी के बिलों में लेट पेमेंट सरचार्ज की 100% माफी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसके अंतर्गत अनाधिकृत कनेक्शनों पर लगने वाली पेनल्टी में बड़ी छूट दी गई है। घरेलू कनेक्शन के नियमितीकरण के लिए लगभग 25 हजार रुपये के स्थान पर केवल एक हजार रुपये की टोकन पेनल्टी देनी होगी जबकि गैर-घरेलू कनेक्शन के लिए 61 हजार रुपये के स्थान पर केवल पांच हजार रुपये देने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बड़ी संख्या में घर बिना अनुमति के जल या सीवर कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं जिसका कारण जागरूकता की कमी या नियमितीकरण शुल्क चुकाने में असमर्थता है। इस योजना में छूट केवल पेनल्टी राशि पर लागू होगी जबकि सामान्य जल-सीवर कनेक्शन शुल्क और इन्फ्रास्ट्रक्चर चार्ज नियमों के अनुसार देने होंगे। उन्होंने कहा कि यह भी इस तरह की अंतिम योजना होगी और इसके बाद यदि कोई उपभोक्ता अपना कनेक्शन नियमितीकृत नहीं करवाता है तो उसका कनेक्शन काट दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक बड़ी जानकारी यह भी दी कि लेट पेमेंट सरचार्ज योजना को लागू करने से पहले दिल्ली जल बोर्ड ने सभी तकनीकी खामियों को दूर किया है। पिछली सरकार के कार्यकाल में रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर की लाइसेंसिंग और मेंटेनेंस गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी, जिससे बिलिंग व्यवस्था ठप हो गई थी और नए उपभोक्ता जोड़े नहीं जा सके थे। दिल्ली जल बोर्ड के प्रयासों से अब यह प्रणाली सुचारु रूप से कार्य कर रही है और नए उपभोक्ता जोड़े जा रहे हैं। इस अवसर पर जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने हमने यह कदम जनहित में उठाया है, ताकि लोगों को वैध कनेक्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से जल बोर्ड को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा, लेकिन इससे आम जन को लाभ होगा। हमारी सरकार ने दिल्ली वालों को दीपावली का उपहार दिया है। सिंह ने कहा कि हम जल बोर्ड के सिस्टम को पूरी तरह दुरुस्त और प्रभावी बनाना चाहते हैं। हम पानी के उपभोक्ताओं में भी बढ़ोतरी करने के लिए ठोस उपाय कर रहे हैं। इसके अलावा जनता को और सुविधाएं देने के लिए हम सीवर सिस्टम को मजबूत बना रहे हैं। इसके अलावा यमुना नदी को निर्मल व स्वच्छ बनाने के लिए भी बड़ी योजनाएं लागू की जा रही हैं।

NAME CHANGE
I, Deepak S/O Ved Prakash, R/O WZ-202, GALI NO-13, SADH NAGAR PART-1, PALAM COLONY, DIST: South West Delhi, Delhi-110045, have changed the name of my minor son Lovely aged 15 years and he shall hereafter be known as Khushal Arya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ankit Kumar S/O: Jagdish Kumar, 1977, Gali Neela Wali, Sita Ram Bazar, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi G.p.o., Delhi, 110006 , have changed my name and shall hereafter be known as SUMIT KUMAR.

PUBLIC NOTICE
Mrs. Sheelu Singh Owner of the Residential Plot bearing no. 190, "PALMWOOD ENCLAVE" Sector-06, in Wave City , Ghaziabad, U.P. , Mrs. Sheelu Singh have lost Original Allotment letter issued by Uppal chadha Hi Tech Developers Private Limited, in favour of Mrs. Darshani Gautam, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta 281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, NARAYAN KUTTIAMMA is legally mother of No. JC-390080A Rank-SUB, Name- PRAVEEN C, Unit-3 INF DIV SIG REGT, C/O 56 APO, R/o VPO-TAVANUR, TEH-PONNANI, DIST-MALAPPURAM, (KERALA)-679573 have changed my name & date of birth from NARAYAN KUTTIAMMA to NARAYANIKKUTTYAMMA C and date of birth 01/07/1956 to 01/01/1953 Vide Affidavit No. IN-DL73059915839898X Dated 14 October 2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, UNNIKRISHNAN NAIR is legally father of No. JC-390080A Rank- SUB, Name-PRAVEEN C, Unit-3 INF DIV SIG REGT, C/O 56APO, R/o VPO-TAVANUR, TEH-PONNANI, DIST-MALAPPURAM, (KERALA)-679573 have changed my name & date of birth from UNNIKRISHNAN NAIR to UNNIKRISHNAN NAIR M and date of birth from 01/07/1940 to 18/09/1938 Vide affidavit No, IN-DL73061474434555X Dated 14 October 2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MAYA KULHAR wife of No.JC-707093P Rank NB SUB Name SANDEEP KUMAR R/o VPO-DEVROAD, TEH-PILANI, DIST-JHUNJHUNU (RAJASTHAN)-333035 have changed my name from MAYA KULHAR to MAYA for all future purposes. Vide Affidavit dated 23/09/2025 before SUB DIVISIONAL MAGISRATE SURAJGARH.

NAME CHANGE
I, JANGI SINGH is legally father of No. JC-770044F Rank- SUB, Name-VIRENDRA SINGH R/o VILL-SINGHPUR PO-MANCHHANA, TEH-BHOGOAN, DIST-MAINPURI, (UTTAR PRADESH)-205001 have changed my name from JANGI SINGH to JANGBAHADUR for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13/10/2025 before Sub Divisional Magistrate New Delhi.

NAME CHANGE
I, Anil Jain S/O Prakash Chand Jain R/O 12, Kaveri Vihar Phase-1, Shamshabad Road Agra Uttar Pradesh-282001 Have changed my name to Anil Kumar Jain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Akash S/O Nand Kishor R/O Amrit farm house private limited market railway fatak, Khera Kalan, North West Delhi, Delhi, 110082, have changed the name of my minor son Anurag aged 15 years and he shall hereafter be known as Anurag Kumar.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mohammad Zaid S/O Mohd Juber, R/O E -11/82, New Colony Hauz Rani, Malviya Nagar S.O, DIST: South Delhi, Delhi -110017, declare that the name of my father has been wrongly written Mohammd Zuber in my 10th class educational document. The actual name of my father is Mohd Juber. Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohd Azeem Ali Khan S/O Abdul Naseem Khan, R/O A-22, 2nd Floor, Joga Bai Extension, Jamia Nagar, Okhla, South Delhi, Delhi -110025, declare that name of mine has been wrongly written as Mohammad Azeem Ali Khan in my Passport No N4201532. The actual name of mine is MOHD AZEEM ALI KHAN,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that Muthoot Homefin (India) Ltd., having its branch office at Gurgaon, Haryana, intends to extend a financial facility to Mr. Jai Dev against the security of Plot No. 63633, admeasuring 37.5 Sq. Yds. (ID No. 1JY85H85), situated at Kot Mohalla, Sector 13A, Sonipat, Tehsil & District Sonipat, Haryana. The said property was previously owned by (1) Mr. Siya Ram and (2) Mrs. Neelam, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 14761 dated 29.03.2024, duly registered and executed by Mrs. Sushila. It is hereby further notified that the Original Sale Deed, duly registered as Document No. 7456 dated 28.11.2008, and the Original Sale Deed, duly registered as Document No. 3121 dated 15.07.2010, have been misplaced/lost and remain untraccable. In this regard, a report has been lodged with the Haryana Police vide Application No. 132390712502135, Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (ies) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.:- +91-9340118309). In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.
Rishi Maheshwari (Advocate)
RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road Near Dwarka More New Delhi 110059
Contact No- +91- 9340118309

NAME CHANGE
I hitherto known as BABY JINDAL D/o MOHAN LAL JINDAL, and W/o ROHAN MITTAL, R/o E-19/118, Sector-3, Delhi, Near Sarvodaya School, Rohini, PO: Rohini Sector-7, Dist: North West Delhi, Delhi-110085, have changed my name and shall hereafter be known as TANISHA JINDAL, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि हम प्रमोद कुमार पुत्र श्री नाथी राम व श्रीमती पूर्णिमा पत्नी श्री प्रमोद कुमार दोनों निवासी [illegible]-1040, गुरु नानक मार्ग, राजनगर-2, पालम कॉलोनी बगडोला, साउथ वेस्ट दिल्ली दिल्ली-110077 ने अपने पुत्र निलेश कुमार के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति हमारे पुत्र से किसी भी तरह का लेन देन [illegible]करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरी और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी ।

NAME CHANGE
I, SANGEETA B RATHOD wife of No.-14668028M, Rank-HAV, Name-RATHOD BHIMRAO KANIRAM residing at VILL-HARANI, PO-UNDRI, TEHSIL-CHIKHALI, DIST- BULDANA, MAHARASHTRA-444307, have changed my name from SANGEETA B RATHOD to SANGITA BHIMRAO RATHOD for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1987 instead of my correct date of birth as 05/04/1990 Vide Affidavit dated 14/10/2025 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, GUNDA BONIA KOMURAIAH Father of No-15796624A Rank-NK Name-GUNDABOINA RAMESH Presently residing at VPO-KORAPALLI, TEH-JAMMIKUNTA, DIST-KARIMNANGAR, TELANGANA-505129, have changed my name from GUNDA BONIA KOMURAIAH to GUNDAVENA KOMURAIAH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/06/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide Affidavit dated 14/10/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I MOHD SAALIM S/O MOHAMMAD QASIM RESIDING AT HOUSE NO. 5082, GALI CHAPPAR WALI QURESH NAGAR, SADAR BAZAR, DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD SAALIM TO MUHAMMAD SAALIM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NEERAJ BABBAR S/O NARESH BABBAR R/O T-3-2102, GODREJ WOODS, SECTOR-43, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 have changed the name of my minor son AANIRUDH KUMAR, aged 7 years and he shall hereafter be known as ANNIRUDH BABBAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सातवें दिन भी नहीं हुआ आईपीएस का पोस्टमार्टम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के पोस्टमार्टम में अब पेंच फंस गया है। चंडीगढ़ पुलिस ने परिवार की मांग पर जहां एफआईआर में एससी/एसटी एक्ट की कड़ी धारा को शामिल कर दिया है। चंडीगढ़ प्रशासन लगातार परिवार के संपर्क में है। प्रशासन ने परिवार की एक और मांग को पूरा करते हुए पोस्टमार्टम टीम में एक मजिस्ट्रेट को शामिल करने पर सहमति दे दी है। चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी में शामिल एसपी सिटी केएम प्रियंका ने सोमवार की सुबह अमनीत पी कुमार से मुलाकात की। देरशाम एसआईटी के एक अन्य अधिकारी ने अमनीत से केस के सिलसिले में बातचीत की। उन्होंने बताया कि मेडिकल बोर्ड में एक बैलिस्टिक विशेषज्ञ और एक मैजिस्ट्रेट को शामिल करने की मांग मान ली गई है। पीजीआई में मेडिकल बोर्ड का गठन पहले ही हो चुका है। परिवार की मांग पर चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से यह तय किया गया है कि पोस्टमॉर्टम पीजीआई के डॉक्टरों की टीम द्वारा किया जाएगा। इस बीच आज चंडीगढ़ प्रशासन ने पोस्टमार्टम की तैयारी भी की लेकिन अमनीत पी कुमार शव की शिनाख्त करने के लिए पीजीआई नहीं गई। इस संबंध में रविवार की रात एसआईटी ने उन्हें पत्र लिखकर शव की शिनाख्त के लिए कहा था लेकिन वह आज पीजीआई नहीं गई।

भगवान वाल्मीकि की शिक्षाएं प्रासंगिक और मानवता को दिशा देने वाली: कृष्ण बेदी

सिरसा। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि भगवान वाल्मीकि के कारण ही आज हम अपनी समृद्ध संस्कृति को जान पा रहे हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि युवाओं को हमारे देश के महान गौरवशाली संस्कृति से रूबरू करवाया जाए। यह संस्कृति की सरकार है, इसने जनता की सोच बदलने का काम किया है और निरंतर हर वर्ग के उत्थान में लगी हुई है। मंत्री सिरसा जिला के गांव जलालआना में भगवान वाल्मीकि मंदिर में भगवान वाल्मीकि की मूर्ति स्थापना अवसर पर आयोजित कार्यक्रमको संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के वैज्ञानिक युग में भी भगवान वाल्मीकि की शिक्षाएं प्रासंगिक हैं और मानवता को दिशा देने वाली हैं। भगवान राम के जीवन से हमें सच्चे अर्थों में जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के जीवन ने हमें यह सिखाया कि जब तक हर वर्ग का साथ नहीं मिलेगा, तब तक सफलता संभव नहीं है। मंत्री बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संत महापुरुषों के सम्मान में व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य व जिला स्तर पर जयंती मनाने का निर्णय लिया।

विद्यार्थियों संग मेयर ने दिया स्वदेशी अपनाने का संदेश

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने कहा कि 2047 में विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करनी होगी। इसके लिए स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ अभियान को घर-घर तक पहुंचाना आवश्यक है। मेयर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणा में दीये जलाओ लड़ी भगाओ अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को मिट्टी के दीये वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान हैं और दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने का धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व है। इसलिए सभी लोग विदेशी बिजली की लड़ियों के बजाय मिट्टी के दीपक जलाएं। मेयर ने कहा कि भारत कभी कुटीर उद्योगों के बल पर सोने की चिड़िया कहलाता था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोकल फॉर लोकल पर बल देकर उसी गौरव को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। छोटे-छोटे स्वदेशी उद्योग और स्टार्टअप इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश का यह पर्व सभी के जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता का उजाला फैलाए, यही हमारी संस्कृति की मूल भावना है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अतुल कुमार दहिया, हुकमचंद वर्मा, अजीत सिंह, जयवीर गहलावत, नवीन कुमार, धर्मवीर दहिया, भूपेंदर और नरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

त्योहारी सीजन के दौरान शहर में बसों का प्रवेश भी रहेगा बंद

झज्जर। त्योहारी सीजन में आमजन को असुविधा से बचाने के लिए झज्जर शहर के अंदर से बसों के आवागमन पर रोक रहेगी। यह फैसला एसीपी अखिल कुमार की अध्यक्षता में यहां हुई यातायात पुलिस अधिकारियों की बैठक में लिया गया। आजकल त्योहारी सीजन चला हुआ है और झज्जर के बाजारों में खरीददारी करने वालों की भीड़ उमड़ रही है। शहर के साथ देहात से भी बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं। इस दौरान शहर में आमजन को सड़कों में बाजारों में जाम की हालत से बचने के लिए और आवागमन सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने कार्य योजना तैयार की। पुलिस और परिवहन विभाग ने शहर के अंदर से होकर गुजरने वाली बसों के आवागमन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। यह निर्णय बुधवार 15 अक्टूबर की सुबह से प्रभावी हो जाएगा।

जन विश्वास-जन विकास समारोह में प्रधानमंत्री प्रदेश को देंगे विकास की अनेक नई सौगातें : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी 17 अक्तूबर को भारत के प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी जन विश्वास-जन विकास समारोह में पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में सोनीपत के राई एजुकेशन सिटी में आयोजित समारोह में आएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश को विकास की नई सौगात देंगे। समारोह स्थल पर पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम स्थल का दौरा किया। उन्होंने मुख्य मंच व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली और समारोह को लेकर सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा में तीसरी

बार भाजपा की सरकार बनी है। यह सरकार नॉन स्टॉप जनता के विकास से जुड़े काम कर रही है। पूर्व की सरकारों में पर्ची और खर्ची से सरकारी नौकरियां मिलती थी लेकिन आज बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों की बैठक के दौरान हैलीपैड, रूट प्लॉन, प्रदर्शनी हैंगर, स्टेज पर सिटिंग व्यवस्था, वीआईपी स्टेज, कल्चर स्टेज आदि से जुड़ी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यवस्था को अच्छे से पूरा किया जाए। उन्होंने मीडिया की सीटिंग से जुड़ी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था, स्थल पर पार्किंग सहित पुलिस विभाग से जुड़े पहलूओं पर विस्तार से जानकारी ली और सजगता से ड्यूटी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस समारोह में अलग-अलग योजनाओं के लाभार्थी पहुंचेंगे। ऐसे में स्थल पर आमजन के बैठने के लिए अलग-अलग सैक्टर बनाए गए हैं। सैक्टर में ड्यूटी कर रहे अधिकारी व कर्मचारी इस बात का ध्यान रखें कि योजनाओं के लाभार्थियों को सेक्टर अनुसार बैठाएं। जो सैक्टर जिस योजना के लाभार्थियों के लिए सुनिश्चित किया गया है, उसमें वही लाभार्थी बैठें। उनके पीने के पानी की व्यवस्था भी की जाए।

ममता बनर्जी खुद स्वीकार रही हैं कि वह एक कमजोर मुख्यमंत्री हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही हैं' : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'लड़कियों को रात में घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए।' विज ने कहा कि 'ममता बनर्जी अपने बयान से खुद यह परिभाषित कर रही हैं कि वे एक कमजोर मुख्यमंत्री हैं। एक महिला होते हुए भी वे अन्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। यह बयान उनकी नाकामी को उजागर करता है। विज आज चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले भी कई मौकों पर ममता बनर्जी ने अपनी बेचारगी और प्रशासनिक असमर्थता का परिचय दिया है। ऐसे बयान उनके नेतृत्व की कमजोरी और सरकार की विफलता को दर्शाते हैं।कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा अनुशासन समिति गठित किए जाने संबंधी बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला है, इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री अठावले बोले, परिवार की मांगे जायज

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री राम दास अठावले ने हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की मौत पर कहा है कि इतना बड़ा अधिकारी अगर आत्महत्या करता है तो इसका मतलब है कि वह सिस्टम से परेशान था। रामदास अठावले चंडीगढ़ पहुंचे और उन्होंने यहां पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार से मुलाकात की। अठावले से पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले में कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

अठावले कहा कि डीजीपी और एसपी पर आरोप है। इस केस में जहां एसपी रोहतक को गिरफ्तार करने की जरूरत है वहीं डीजीपी पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। अठावले ने स्पष्ट किया कि वह दलित नेता होने के नाते यहां आए हैं। मैंने सीएम नायब सैनी से समय मांगा है और उनसे मुलाकात कर मांग करूंगा कि डीजीपी पर एक्शन होना चाहिए। फिर हम अंतिम संस्कार करेंगे।

इस बीच केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने आज इस मामले में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से बात करके उन्हें पंजाब में इस प्रकरण के असर के बारे में बताया। बिट्टू ने कहा कि हरियाणा सरकार कड़ा

फैसले ले सकती है। इस बीच आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का भी आज चंडीगढ़ पहुंचे और अमनीत पी कुमार से मुलाकात करके वाई पूरन कुमार के साथ अपने संबंधों को याद किया। इससे पहले कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा,कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उदयभान, वरूण चौधरी और सतपाल ब्रह्मचारी दिवंगत आईपीएस वाई पूरण के घर पहुंचे। इनेलो नेता अभय चौटाला व रामपाल माजरा ने अमनीत से मुलाकात के बाद कहा कि वह इस मामले को राज्यपाल के समक्ष उठाएंगे। हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर ने भी अमनीत से मुलाकात की। वाई पूरन कुमार ने जिस दिन आत्महत्या की उस दिन राव नरबीर तथा अमनीत पी कुमार जापान दौरे पर थे।

गांवों की शामलात भूमि पर बने पुराने अवैध मकान होंगे नियमित

एजेंसी

जींद। गांवों की शामलात भूमि पर बने पुराने अवैध मकानों को वैध रूप से नियमित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है। यह प्रक्रिया केवल उन ग्रामीण निवासियों पर लागू होगी, जिन्होंने 500 वर्ग गज या उससे कम क्षेत्रफल की जोहड़ की जमीन एवं ऐसी भूमि जिससे रास्ते में रुकावट हो, उसे छोड़ कर शामलात देह की गैर कृषि भूमि पर 31 मार्च 2004 से पहले मकान बना लिया था।

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को ग्राम पंचायत को आवेदन देना होगा। जिसमें यह स्पष्ट करना होगा कि मकान 31 मार्च 2004 से पहले बनाया गया है। इसके साथ जमाबंदी, खसरा गिरदावरी, साइट प्लान, मकान के फोटोग्राफ एवं कब्जा साबित करने वाले दस्तावेज संलग्न करने होंगे। साथ ही पंचायत द्वारा भूमि उपयोग योजना भी तैयार की जाएगी। ग्राम सचिव इस प्रस्ताव को आवश्यक दस्तावेजों सहित बीडीपीओ को भेजेगा। बीडीपीओ निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रस्ताव को डीसी के पास भेजेगा। जिसमें वर्ष 2004 या उसके बाद की कलेक्टर दर भी शामिल होगी। डीसी ने बताया कि यदि ग्राम पंचायत के हित में उपयुक्त समझें तो प्रस्ताव निदेशक पंचायती राज विभाग को स्वीकृति हेतु भेजेंगे। निदेशक पंचायती राज द्वारा 2004 की कलेक्टर दर अथवा पंचायत द्वारा प्रस्तावित दर पर स्वीकृति दी जाएगी। स्वीकृति के पश्चात ग्राम पंचायत द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से विक्रय पत्र जारी किया जाएगा तथा आवेदनकर्ता को निर्धारित स्टांप शुल्क एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क का भुगतान करना होगा। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं और पात्र मामलों को नियमानुसार शीघ्रता से आगे बढ़ाएं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि जिनका कब्जा शामलात भूमि पर है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 'शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार' से सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आज 'ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन' की ओर से प्रतिष्ठित 'शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके प्रेरणादायी नेतृत्व, सामाजिक सौहार्द के प्रति प्रतिबद्धता और हरियाणा के सिख समुदाय के कल्याण के लिए किए गए सतत प्रयासों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ के सेक्टर 18 स्थित टैगोर थियेटर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायी और हृदयस्पर्शी है। जब हम हिंद की चादर नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन के साक्षी बने हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा द्वारा लिखित

हिंदी पुस्तक 'तिलक जंजू का राखा' का विमोचन किया। यह पुस्तक सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, यात्राओं और अद्वितीय सर्वोच्च बलिदान का गहन शोधपूर्ण वृत्तांत है।

नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के इतिहास में श्री गुरु तेग बहादुर जी, एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने मानवता की रक्षा और धर्म की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। जिस समय भारत में औरंगजेब का शासन था और हालात इतने नाजुक थे कि गुरु गद्दी पर बैठना शहंशाह से शत्रुता मोल लेना था। ऐसे संकट के समय में श्री गुरु तेग बहादुर जी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए गुरु पद पर सेवा करना स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब औरंगजेब अपने ज़ोर-जुल्म के बल पर हिंदुओं को मुसलमान बनाने पर तुला था। उसने हिंदुओं के मंदिर ध्वस्त कर देने के आदेश जारी किए और नए मंदिरों के निर्माण पर पाबंदी लगा दी। जब कश्मीरी पंडितों को इस अन्याय का सामना करना पड़ा तो वे अपने धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी की शरण में आए। उनकी व्यथा सुनकर गुरु जी ने कहा कि यदि कोई महापुरुष अपना बलिदान दे तभी आपका धर्म बच सकता है। यह सुनकर 9 वर्ष के बालक गोबिंद राय (श्री गुरु गोबिंद सिंह जी) ने कहा कि 'पिता जी, आपसे बड़ा महापुरुष और कौन हो सकता है। आप अपना ही बलिदान क्यों नहीं देते। नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपने पुत्र की बात सुनकर पंडितों से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि, 'यदि गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार कर लें तो हम सब स्वतः ही इस्लाम स्वीकार कर लेंगे'।

एडीजीपी आत्महत्या प्रकरण में बसपा ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में एडीजीपी वाई पूर्ण कुमार आत्महत्या मामले में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रोष प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ता लाल बत्ती चौक से शुरू होकर प्रदर्शन करते हुए जिला लघु सचिवालय पहुंचे जहां वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। बसपा नेताओं ने कहा कि इस पूरे मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि न्याय हो सके। बसपा जिलाध्यक्ष फूल कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दोपहर के समय लघु सचिवालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। दलित समाज के लोगों को परेशान किया जा रहा है। जिससे समाज में गहरी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या की घटना बेहद दुखद और चिंताजनक है। इस मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

हिसार में दो कुख्यात नशा तस्करों की 60 लाख की संपत्ति अटैच

एजेंसी

हिसार। जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करी के अवैध नेटवर्क पर लगातार शिकंजा कसने की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने दो कुख्यात नशा तस्करों की लगभग 60 लाख रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया है।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि अटैच की गई संपत्तियां कुख्यात नशा तस्कर फतेहाबाद जिले के चौबारा गांव निवासी मनदीप उर्फ पंजाबी व हिसार के बयानाखेड़ा निवासी नवीन की हैं। पुलिस जांच में यह पाया गया कि दोनों आरोपी लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त थे और अपनी अवैध कमाई को संपत्तियों में निवेश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मनदीप उर्फ पंजाबी की पत्नी के नाम पर गांव चौबारा में 22 कनाल 16 मरला भूमि तथा आरोपी नवीन के नाम एक ट्रक को अटैच किया है। जांच के अनुसार, ये संपत्तियां नशे के कारोबार से अर्जित धनराशि से खरीदी गई थीं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा है कि हिसार पुलिस द्वारा जिले में सक्रिय

सभी नशा तस्करों की सूची तैयार की जा रही है और उनकी अवैध संपत्तियों की भी जांच कर अटैचमेंट की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों के खिलाफ केवल आपराधिक मामलों में ही नहीं, बल्कि उनकी अवैध कमाई पर भी प्रहार किया जा रहा है। पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत भी नशा तस्करों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि नशे के खिलाफ इस सामाजिक अभियान में सहयोग करें और किसी भी प्रकार की नशा तस्करी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना डायल 112 और पुलिस कंट्रोल रूम 01662237150 पर तुरंत पुलिस को दें।

छठ पूजा से पहले एसटीपी, सीटीईपी पर रखी जाएगी कड़ी निगरानी : प्रदीप डागर

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में यमुना एक्शन प्लान और आगामी छठ पूजा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मेम्बर सेक्रेटरी प्रदीप डागर ने की। बैठक में संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि वे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की सतत निगरानी करें, ताकि विषैला पानी यमुना में न जाए। बैठक में पुलिस विभाग को भी विशेष जिम्मेदारी दी गई है कि वे ड्रेनों में टैंकरों द्वारा अवैध रूप से अपशिष्ट जल डिस्चार्ज करने वालों पर कड़ी नजर रखें और दोषी टैंकरों को जब्त करें। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि ड्रेनों में किसी भी प्रकार का ठोस कचरा न फेंका जाए और जहां भी कचरा जमा है, वहां तत्काल सफाई की जाए। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए, ताकि यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने का लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके। इस मौके पर उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया, जेपी सिंह आरओ भूपेंद्र सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खेलों से युवाओं को मिलती है सही दिशा : सुभाष बराला

एजेंसी

सिरसा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि खेल एक ऐसा क्षेत्र हैं, जहां पर व्यक्ति विशेषकर युवाओं को जीवन में आगे बढने की सही दिशा मिलती है। खेल व्यक्ति को न केवल शारीरिक व मानसिक तौर पर मजबूत बनाता है, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता है। देश के युवा व सामाजिक समरसता को सुदृढ बनाने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव की शुरूआत की गई है। सांसद बराला सिरसा जिले के गांव रामपुरा बिश्नोईयां व खुइयां मलकाना में सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खेल व्यवस्थाओं के लिए रामपुरा बिश्नोईया में 10 लाख रुपये तथा खुईया मलकाना में 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसी के साथ गांव खुईयां मलकाना में गांव से स्टेडियम तक सडक़ बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार युवाओं को खेलों की ओर अग्रसर करने के उद्देश्य से खेलों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया करवा रही है। प्रदेश में बिना पर्ची खर्ची के जो योग्य युवा सरकारी नौकरी लगे हैं, उनमें खेल के मैदान में ग्रेडेशन प्राप्त करने वाले युवा भी है। उन्होंने कि सरकार ने ग्रेडेशन में पारदर्शिता प्रणाली लागू की है, अब जो युवा खेल के मैदान में बेहतर प्रदर्शन करता है, उसी का ग्रेडेशन बनता है। बराला ने कहा से बातचीत करके उनका हौसला बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं की उपलब्धता की दिशा में बेहतर कार्य हुआ है। युवाओं को चाहिए कि वे खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र, जिला खेल अधिकारी जगदीप सिंह, डबवाली भाजपा अध्यक्ष रेणु शर्मा, बलदेव सिंह मांगेआना, हरियाणा बीज निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, मार्केट कमेटी चेयरमैन सतीश जग्गा, वाइस चेयरमैन जसवंत जाखड़, सरपंच डिंपल सिंह, जिला महामंत्री विजयंत शर्मा आदि उपस्थित थे।

NAME CHANGE
I, Vivek Takhtani S/o Ram Chand Takhtani R/o #H.No 299A, Sector-17, Panchkula, Sector-8, Panchkula Haryana-134109 hereby undertake that I Vivek Takhtani want to change my name to Kashish and gender as female. I Vivek Takhtani henceforth be known as Kashish D/o Ram Chand Takhtani

सत्यपाल शर्मा ने 65 वर्ष की आयु में हासिल की पीएचडी की उपाधि

एजेंसी

हिसार। पीएलए निवासी सत्यपाल शर्मा, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, हाल ही में शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के 9वें दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किए गए। यह समारोह गत दिवस आयोजित हुआ, जिसमें उन्हें प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद द्वारा सोमवार को यह सम्मान प्रदान किया गया।श्री शर्मा की शैक्षिक योग्यता उल्लेखनीय है, जिनके पास बीई, एमबीए, एमफिल, एलएलबी, पीजीडीसीए और एलएलएम की डिग्रियाँ हैं। 65 वर्ष की उम्र में यह पीएचडी उपाधि उनके समर्पण और अध्ययन की निरंतरता का परिचायक है। सत्यपाल शर्मा एक

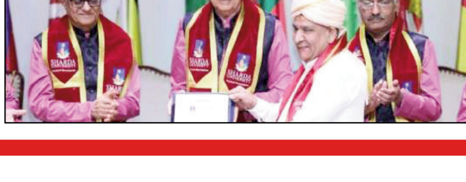

विद्वान ही नहीं, वरिष्ठ साहित्यकार भी हैं, जिन्होंने साहित्य क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही वे डीएचबीवीएनएल से सेवानिवृत्त अधीक्षक अभियंता (एसई) हैं, जिन्होंने अपने तकनीकी क्षेत्र में वर्षों तक सेवाएं दीं। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह सभी के लिए प्रेरणा भी है जो साबित करता है कि उम्र केवल एक संख्या है और सीखने का कोई अंत नहीं होता। उनकी इस उपलब्धि पर उनकी धर्मपत्नी रेणु शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश कादयान, एसोसिएट डीन प्रो. मोहित साहनी, दीपक कौशिक, श्रीमती किरण कौशिक, डॉ. इन्द्रजीत, नरेंद्र यादव निदेशक रिटायर्ड नेहरू युवा केंद्र सहित अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी।

आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगे। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है। यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता e₹ वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, कैनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

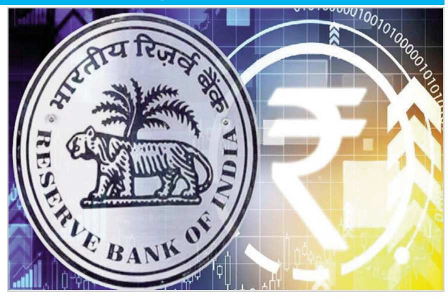

इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डि जिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

एलजी के शेयर की एनएसई पर 1710 रुपए पर लिस्टिंग

पलक झपकते निवेशकों को मिला 50 फीसदी रिटर्न

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर्स की धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर 1710.1 रुपये प्रति शेयर पर लिस्टिंग हुई है और बीएसई पर 1715.1 रुपये प्रति शेयर पर एलजी के शेयर्स लिस्ट हुए हैं। आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 7 से 9 अक्टूबर तक खुला था और अलॉटमेंट 10 अक्टूबर को हुआ और मंगलवार को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए हैं। इस आईपीओ ने रिकॉर्ड तोड़ दिया. कुल सब्सक्रिप्शन की रकम लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये रही, जो बाजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले रिकॉर्ड 3.2 लाख करोड़ रुपये को आसानी से पीछे छोड़ चुकी है। कुल शेयरों की पेशकश के मुकाबले सब्सक्रिप्शन 54 गुना रहा है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे आगे रहते हुए 166 गुना से ज्यादा बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की सब्सक्रिप्शन 22 गुना, रिटेल निवेशकों की 3.5 गुना और कर्मचारियों की 7.6 गुना रहा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसमें 10.18 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचे गए. साउथ कोरियाई पैरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपनी हिस्सेदारी कम की. शेयर की कीमत बैंड 1,080 से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय की गई थी।

अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

नई दिल्ली

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अे धिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।

दिवाली पर मौका! एक्सिस सिक्योरिटीज ने बताए शेयर्स

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में इस साल, यानी संवत 2081 में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कमजोर कमाई, अमेरिकी नीतियों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये की कीमत में कमी जैसे कारणों से बाजार पर दबाव रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि संवत 2082 में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। अगले वित्त वर्ष (2026) में अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और 2027 में और बेहतर नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में दीवाली 2025 निवेश के लिए अच्छा मौका हो सकता है।

दिवाली 2025 के लिए लंबे समय के निवेश करने के लिए आप कुछ खास स्टॉक्स चुन सकते हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ ऐसे शेयरों की सलाह दी है, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और चैलेट होटल्स जैसे नाम शामिल हैं। ये शेयर लंबे समय तक अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ कंपनियों के शेयरों की सलाह दी है। पहला है रेनबो चिल्ड्रन मेडिकेयर। इस कंपनी का टारगेट प्राइस 1,625 रुपये है, जिसमें 23 प्रतिशत की बढ़त की संभावना है। यह कंपनी बच्चों और मातृत्व देखभाल में विशेषज्ञता रखती है।

इसके अस्पतालों में अच्छी बुकिंग और नए अस्पतालों से आय बढ़ रही है। कंपनी का मॉडल स्केलेबल है और कम पूंजी में विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद है।

दूसरा है डोम्स इंडस्ट्रीज, जिसका टारगेट प्राइस 3,110 रुपये है। यह कंपनी पेन, बैग, खिलौने और डायपर जैसे नए प्रोडक्ट्स में विस्तार कर रही है। कोटक महिंद्रा बैंक का टारगेट 2,500 रुपये है। यह बैंक जमा और कर्ज में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। फेडरल बैंक का टारगेट 240 रुपये है। यह बैंक मध्यम आय वाले सेगमेंट में तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ सालों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का टारगेट 625 रुपये है। यह कंपनी ऊर्जा भंडारण और 30 गीगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ रही है।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित

फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था।

अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुत्ताकी ने भारतीय उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार भारतीय निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिक्की और अफगान चैंबर ऑफ कॉमर्स की साझेदारी को भी अहम बताया। बैठक में भारतीय उद्योग जगत ने वीजा संबंधी समस्याओं को गंभीर चिंता का विषय बताया और व्यापारियों की सुगम आवाजाही की मांग की। इसके अलावा, माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स में आ रही बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

केईसी और मैक्स अस्पताल जैसी भारतीय कंपनियों ने अफगानिस्तान में फिर से संचालन शुरू कर दिया है। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय अफगान छात्रों को सहयोग देने और एक साझा परिसर स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह बैठक दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का संकेत है।

गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना

नई दिल्ली इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्रज एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्ष में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

2026 तक पटरी पर आने की तैयारी

नई दिल्ली भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है।इस बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

मुंबई पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अे धिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है। 2025-26 तक निवेशक संख्या 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, वित्तीय साक्षरता और डिजिटलीकरण इस बदलाव के प्रमुख कारक हैं। एनएसई ने निवेशकों को दीर्घकालिक, ज्ञान-आधारित निवेश की सलाह दी है न कि सट्टेबाजी की।

चीन ने दक्षिण कोरियाई हनव्हा ओशन की अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों पर लगाई रोक

अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में उठाया गया कदम

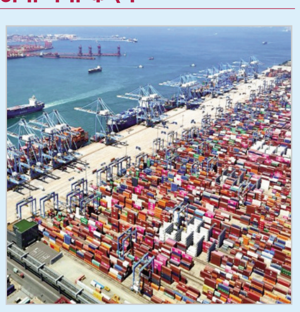

हांगकांग चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माता हनव्हा ओशन की पांच अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों के साथ चीनी कंपनियों के व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण उद्योग में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में लिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने अप्रैल 2024 में धारा 301 के तहत एक व्यापार जांच शुरू की थी, जिसमें कहा गया कि चीन की जहाज निर्माण क्षमताएं अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर रही हैं। इसके जवाब में चीन ने हनव्हा ओशन की जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें हनव्हा शिपिंग एलएलसी, हनव्हा फिली शिपयार्ड इंक और अन्य चार कंपनियां शामिल हैं। गौरतलब है कि हनव्हा ने 2024 के अंत में 100 मिलियन डॉलर में अमेरिकी फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था और अगस्त में उसने अमेरिका में 5 अरब डॉलर के निवेश की योजना घोषित की थी। जहाज निर्माण क्षेत्र अब अमेरिका-चीन व्यापारिक टकराव का नया केंद्र बनता जा रहा है, जहां दोनों देश नई शुल्क नीतियों के ज़रिए एक-दूसरे को जवाब दे रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 297 , निफ्टी 81 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा।

निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का` निक्केई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर बोर्डकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला।

एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

भगोड़े विजय माल्या का बैंकों पर हमला: संपत्तियां बिक चुकीं, फिर भी मांग जारी

यूके कोर्ट से केस वापस लेने के बाद बोले माल्या – भारत में ही निपटाना चाहता हूं मामला

नई दिल्ली भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय बैंकों पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,100 करोड़ रुपये की वसूली कर ली है, जो कि कर्ज की मूल रकम से कहीं अधिक है। बावजूद इसके, बैंक अब भी उनसे पैसों की मांग कर रहे हैं। माल्या ने कहा कि डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने केवल 6,203 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था, लेकिन बैंकों ने उससे दुगुनी रकम वसूल ली है। उन्होंने भारतीय वित्त मंत्रालय के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अब तक बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये की वापसी मिल चुकी है। माल्या ने आरोप लगाया कि बैंकों ने अब तक वसूली की पारदर्शी रिपोर्ट तक नहीं दी है। इसी के साथ, माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालिया आदेश को रद्द कराने वाली याचिका भी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का समूह अब यूके में उनकी संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई बिना किसी रुकावट के जारी रख सकता है। माल्या ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अब ब्रिटेन में कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे और इस मामले को भारत में ही सुलझाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक अच्छा प्रस्ताव है, जिसे सिर्फ भारत में ही हल किया जा सकता है।

ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं।

अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं।

ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे।

संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा।

इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी।

वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी।

ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है।

साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

मिजोरम व्यापारी संगठन ने सरकार से व्यापार एक्सपो बंद करने का किया आग्रह

फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो में 36 प्रतिभागी बिना परमिट, विदेशी भागीदारी भी नहीं

आइजोल मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन (एमआईएमए) ने आइजोल के लामुअल में चल रहे **फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो** को बंद करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस व्यापार मेले में शामिल 36 प्रतिभागी बिना आवश्यक इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के पाए गए। मिजोरम जैसे संरक्षित राज्य में गैर-आदिवासी लोगों के लिए आईएलपी अनिवार्य है। एमआईएमए ने आयोजकों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 89 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक्सपो का नाम इंटरनेशनल है, जबकि इसमें कोई भी विदेशी भागीदारी नहीं है, जो कि भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही, एक्सपो में एक खाद्य विक्रेता के पास एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। एमआईएमए और मिजो छात्र संस्था एमजेडपी द्वारा चलाए गए अभियान में पकड़े गए आईएलपी उल्लंघनकर्ताओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब संगठन ने प्रशासन से एक्सपो को तुरंत बंद करने की मांग की है।

करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है डॉ. कलाम का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

'मिसाइलमैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे, जिन्होंने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों का दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। डा. कलाम की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी का दिल जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ

सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

कलाम साहब ने देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका कुल 52 सदस्यों भरा-पूरा परिवार उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

कलाम साहब कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। 27 जुलाई 2015 को यह महान् शिलांग में विभूति भारतीय प्रबंधन संस्थान एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

संपादकीय

पाक-तालिबान जंगी टकराव

पाकिस्तान और अफगान-तालिबान के बीच जंगी टकराव के हालात बन गए हैं। शनिवार गहरी रात में तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के ह्यआत्मघाती फिदायीनह्न ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40, 000 प्रशिक्षित ह्यआत्मघाती फिदायीनह्न की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी जाकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है। यह जंगी टकराव और तनाव दो मुस्लिम देशों के दरमियान पसरा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच जो ह्यनाटो जैसाह्न समझौता हुआ था, वह भी बेनकाब हो गया और खोखला साबित हुआ। सऊदी अरब पाकिस्तान के समर्थन में जंग में नहीं कूदा। अलबत्ता कतर की तरह अमन-चैन और संवाद का ही बयान दिया। भारत के संदर्भ में यह जंगी टकराव कई मायने रखता है। तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता का समर्थन किया। भारत-अफगान विदेश मंत्रियों का जो साझा घोषणा-पत्र सार्वजनिक किया गया है, उसमें दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, एकता-अखंडता का समर्थन कर रहे हैं। जाहिर है कि पाकिस्तान की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल भारत सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजकर उनकी संसद का निर्माण कराया। योजना आयोग की तर्ज पर एक खास दफ्तर बनाया गया है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर पाकिस्तान के मस्तक पर चमचे का ताज सजा दिया है

नीरज कुमार दुबे

शर्म-अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ. पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि 'भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे' और साथ ही भारत को 'महान देश' बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं– लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं।

ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी 'विश्व उद्धारक' की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया "my very good friend" जैसा संबोधन न सिर्फ. व्यक्तिगत निकटता दशार्ता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की 'रणनीतिक उपयोगिता' से कहीं आगे निकल चुकी है।

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर 'संवाद के साथ संप्रभुता' का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए 'प्रत्यक्ष बातचीत' में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की 'ईमानदारी' को रेखांकित करते हुए गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की।

इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। 'मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ,' से लेकर 'अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता' तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ. अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था।

यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से 'समानता' की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत 'धन्यवाद' में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा "He is going to help make that happen, right?" वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में 'मध्यस्थ' नहीं बल्कि 'निर्देशक' की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने 'कृतज्ञता के ग्रंथ' में बदल डाला।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की 'शांति की राजनीति' में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'दूसरों के सहारे' नहीं बल्कि 'अपने सिद्धांतों' पर खड़ा रहेगा।

इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है।

शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद 'गाजा शांति सम्मेलन' के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की

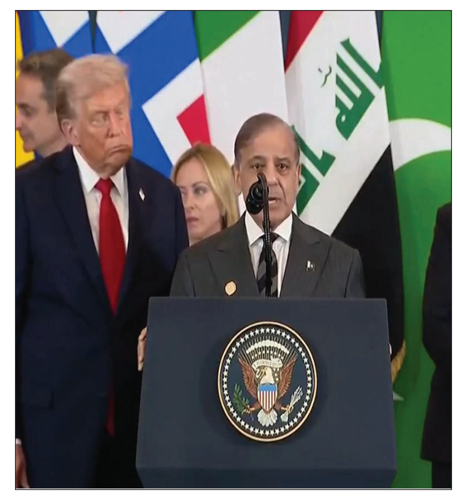

भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं।

बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की। यह दृश्य दक्षिण एशिया की बदलती राजनीतिक मानसिकता और नेतृत्व की गुणवत्ता पर गहरी टिप्पणी छोड़ गया– जहाँ भारत का नेतृत्व आत्मगौरव और संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं पाकिस्तान का नेतृत्व आत्मविश्वासहीनता और निर्भरता की छवि में सिमट गया।

दिवाली और छठ पूजा के लिए घर जाने के लिए ट्रेन में बढ़ती भीड़ से यात्री परेशान

कांतिलाल मांडोत

गुजरात मे सूरत उधोग और डायमंड उधोग में रोजगार के लिए उतर भारत के लोगो की संख्या करीब 15 लाख तक पहुंच गई है। दिपाली,छठ पूजा और बिहार चुनाव तीनो अवसर एक साथ आ जाने से सूरत सहित सूरत के उधना स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ उमड़ रही है। दिवाली और छठ पूजा में गिनती के दिन बाकी है। उसी तरह मुम्बई से उदयपुर,भीलवाड़ा ,चितौड़गढ़ वाया अहमदाबाद से जाने वाली ट्रेन की कमी का खामियाजा सात लाख प्रवासी भोग रहे है। रोजगार ढूंढने आने वाले व्यापारी वर्ग,उधोगपतियों और श्रमिको को घर जाने पर आवागमन की सुविधा नही मिलती है। सूरत शहर में कपड़ा,डायमंड उधोग से जुड़े मजदूर वर्ग को दिवाली वैकेशन का इंतजार रहता है। सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से प्रख्यात सूरत में लाखों प्रवासी श्रमिक हर साल त्योहारों में अपने वतन परिवारों के पास पहुंचते है। खासकर,बिहार चुनाव के मद्देनजर रवानगी लेने वालों की संख्या बहुत बढ़ गई है। स्टेशन पर जगह जगह पर अफरातफरी का माहौल है। ट्रेनों में सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की की नौबत आ रही है। कई लोग शौचालय में बैठकर सफर कर रहे है। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए इन्तजाम किये गए है। स्टेशन पर हर कोने पर सीसीटीवी की निगरानी है। लेकिन आलम यह है कि हर बार की तरह यात्री इस बार भी बहुत परेशान हो रहे है। भीड़ वाले हिस्सो में सर्विलांस भी किये गए है। दिवाली अवकाश को लेकर उतर प्रदेश,बिहार, झारखंड और ओडिसा सहित राजस्थान रवाने होने वाले यात्रियों की उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली है। देश भर में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। जो 15 नवम्बर तक जारी रहेगी। स्पेशल ट्रेन का सफर फेस्टिवल तक सुविधा उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन मुम्बई उदयपुर के लिए प्रतिदिन एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। उदयपुर के लिए साप्ताहिक तीन दिन ट्रेन चलती है। इसके लिए उधोग जगत से जुड़े हुए उधोगपतियों ने रेलवे मंत्री से भी गुहार लगाई है। लेकिन रेल सेवा उपलब्ध नही हुई। मेवाड़ प्रवासियों की संख्या 8 लाख है। मुम्बई और सूरत में कपड़ा उधोग और डायमंड उधोग से जुड़े व्यापारियों और श्रमिको को हररोज बतौर आवागमन करना पड़ता है। सूरत से मेवाड़ के लिए सीधी निजी बसों की सुविधा है। सरकार की एक भी बस सूरत से उदयपुर के लिए नही है। ऐसे हालात में प्रवासियों को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उतर भारत का भी यही आलम है। अहमदाबाद पटना स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक,सप्ताह में दो बार चलेगी। सूरत दरभंगा हर तीन दिन में एक ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर स्पेशल छठ की पूर्व संध्या पर विशेष ट्रेन,वापसी की व्यवस्था सहित चलाई जा रही है। लेकिन इसके बावजूद सूरत से जाने वालों की संख्या इस बार लाखो है। तब सवाल उठता है कि बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। विशेष ट्रेनों के बजाय नियमित अनरिजर्व्ड ट्रेनों की व्यवस्था की घोषणा की है। फिर भी यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ रही है। यात्रियों से अपील की जा रही है कि शांति बनाए रखे। टेक्सटाइल उधोग और डायमंड उधोग का प्रमुख केंद्र है। जहाँ बड़ी संख्या में उत्तरभारतीयों और राजस्थान सहित मेवाड़ उदयपुर के प्रवासी है। ये प्रवासी कपड़े की मिलो में काम करते है। जहां से अरबो रुपये का राजस्व रेलवे और केंद्र सरकार को जाता है। लेकिन परिवहन सेवा के लिए आज भी लाखों प्रवासी झुंझ रहे है। सरकार सुनती नही है। कई बार उदयपुर के लिए मेवाड़ रेल चलाओ अभियान की मुहिम चला कर ज्ञापन प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन इन प्रवासियों की मांगे मंजूर नही की जा रहीं है। सूरत पर सरकार को आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उदयपुर मेवाड़ के लिए मुम्बई और सूरत से वाया अहमदाबाद होकर गुजरने वाली एक भी प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की सुविधा नही है। प्रवासी यात्रियों की पीड़ा काश कोई अनुभव कर सकता तो निश्चित ही ट्रेन सुविधा उपलब्ध करा दी गई होती। उत्तरभारत के दिवाली,छठ और बिहार चुनाव के इस संगम को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय विशेष ट्रेन की सुविधा दिवाली के पूर्व उपलबन्ध करानी होगी, तभी लोगो का आवागमन सुलभ हो सकता है। उधना में होडिंग एरिया में सैकड़ो श्रमिक एकट्ठा हुए हैं। जबकि लाइन लगाकर ट्रेन में बैठने के लिए जान पड़ता है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थाई समाधान कराया जाए। क्योंकि छठ,पूजा और बिहार चुनाव में सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन उदयपुर मेवाड़ के लिए कई बार ट्रेन उपलबन्ध कराने की मांग स्वीकृत नही हुई है। सूरत से उदयपुर के लिए सप्ताह में तीन दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। वह नाकाफी है। सूरत से निजी बसों का संचालन है। वे मनमाफिक किराया वसूल कर रहे है। सीजन में डबल स्लीपर की रेट उदयपुर के लिए तीन हजार तक मुकर्रर की जाती है। लेकिन उसके बाद भी प्रवासियों को परेशान होना पड़ता है। प्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रेन सुविधाओं पर रेल मंत्रालय ध्यान आकृष्ट कर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। देश मे 12 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। लेकिन सूरत में तो ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत ही चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। उदयपुर, चितौड़गढ़ के बीच सूरत से दूरिया कम होने के कारण यात्रियों का आवागमन होता ही रहता है। जबकि उतर भारतीय तो सालभर में एक बार घर लौटते है। भीड़ की वजह से परिवार बच्चों के साथ यात्रा करने पर अधिक तकलीफ होती है। धक्का-मुक्की से परेशान बच्चे और मेरारु के लिए पीड़ादायक है। सूरत में होडिंग एरिया में पैर रखने की जगह नही है। हालात काबू में करने के लिए रेलवे पुलिस ने मैनेजमेंट की व्यवस्था की है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। होर्डिंग एरिया में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से खड़े रहने और बैठने की व्यवस्था की गई है। अस्थाई सुविधा के लिए बिहार विकास परिषद और सामाजिक संगठनों ने रेलवे सुविधा देने के लिए अपील की गई है । उधर मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के कार्यकताओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गुहार लगाई है। मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के अध्यक्ष सुरेश लौढा ने बताया कि उदयपुर के लिए हररोज दो ट्रेन की आवश्यकता है। जिसको प्रतिदिन मुम्बई से वाया अहमदाबाद होकर उदयपुर और मावली तक सेवा दी जानी चाहिए,जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा। मुम्बई से 750 की दूरी है। जबकि उदयपुर सूरत की 450 किमी की दुरी है। यहां से हर रोज लोगो का आवागमन होता है। दरअसल, उत्तरभारत के लिएभी ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराई जानीही चाहिए। लेकिन उनके लिए फेस्टिवल ट्रेन का बहुत महत्व है। क्योंकि उनको हररोज उत्तरभारतीयों को नही जाना होता है। ट्रेन में इस वक्त सवार होना किसी जंग से कम नही है। धक्का मुक्की कर ट्रेन में प्रवेश भी कर दिया तो अंदर जाकर खड़ा ही रहना पड़ता है। जिससे किसी अनहोनी को नजरअंदाज नही किया जा सकता है। दिवाली महापर्व और उसके बाद बिहार-उत्तर प्रदेश में छठ के त्योहार पर कंफर्म रेल टिकट की मारामारी के चलते प्रवासियों के लिए घर जाना मुश्किल हो रहा है। मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ और गुजरात से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने तथा दक्षिण भारत से इन प्रदेशों में आने वाली प्रमुख ट्रेनों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा। सूरत में उधोग से जुड़े श्रमिकों के लिए उत्तरप्रदेश, बिहार,छतीसगढ़, राजस्थान, एमपी आदि राज्यों के लिए ट्रेन सुविधाए उपलब्ध कराए, जिससे श्रमिको को आवाजाही में परेशानी नही हो सके।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेनी थिंक टैंक का बड़ा आरोप- रूस के लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर रहा भारत

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अब यूक्रेन के एक थिंक टैंक ने भारत पर एक और बड़ा आरोप लगाया है। यूक्रेनी थिंक टैंक ने दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडीटिव्स का सबसे बड़ा निर्यातक देश है और रूसी लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद कर रहा है। यूक्रेनी थिंक टैंक इकॉनोमिक सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ यूक्रेन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडिटिव्स (ईंधन योजक) का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। साल 2024 में रूस के कुल आयातित फ्यूल एडिटिव्स में से करीब आधा भारतीय कंपनियों द्वारा निर्यात किया गया। फ्यूल एडिटिव्स एक तरल रसायनिक तत्व होता है, जो वाणिज्यिक और सैन्य विमानों के इंजन के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए ईंधन के साथ मिलाया जाता है। यूक्रेनी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा है कि रूस के एसयू-34 और एसयू-35एस लड़ाकू विमानों में फ्यूल एडिटिव्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हीं विमानों से रूस ने यूक्रेन पर क्रूज सुपरसोनिक और गाइडेड मिसाइलों से हमले किए।

मैक्सिको भारी बारिश से बाढ़ व भूस्खलन में 41 लोगों की मौत; 32 हजार से ज्यादा मकान ध्वस्त, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

पोजा रिका, एजेंसी। मैक्सिको में लगातार बारिश से आई बाढ़ व भूस्खलन के कारण कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वेराक्रूज प्रांत में छह से नौ अक्तूबर तक लगभग 540 मिलीमीटर (21 इंच से अधिक) बारिश हुई। बारिश के कारण 32 हजार से अधिक मकान ध्वस्त हो चुके हैं, जबकि बिजली गुल होने से देश भर में 3.20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने इस भीषण बारिश के लिए मैक्सिको के पश्चिमी तट पर आए उष्णकटिबंधीय तूफानों प्रिसिला व रेमंड को जिम्मेदार ठहराया है। मैक्सिको सिटी से 275 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित तेल नगरी पोजा रिका में बाढ़ से पहले कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय ने बताया कि मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित हिडाल्गो प्रांत में शनिवार तक भारी बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई और 150 समुदायों को बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा। मैक्सिको सिटी के पूर्व में स्थित पुएब्ला प्रांत में कम से कम नौ लोग मारे गए व 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। वेराक्रूज में 15 लोगों की मौत हुई है। वहां थल सेना व नौसेना भूस्खलन तथा बाढ़ के कारण अलग-थलग पड़े 42 समुदायों के निवासियों को बचाने में मदद कर रही हैं। बचावकर्मी क्षेत्र में 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। खाड़ी तट पर स्थित वेराक्रूज राज्य की 55 नगरपालिकाओं में 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले, मध्य क्वेरेटारो राज्य में भूस्खलन के कारण एक बच्चे की मौत हो गई थी। पोजा रिका के निचले इलाकों की गलियों में शुक्रवार सुबह 12 फीट तक पानी भर गया। कैजोंस नदी से तेज गति के साथ बहकर आ रहे पानी में कारें तैरती हुईं आपस में टकराने लगीं। शनिवार सुबह जब पानी उतरा तो चारों तरफ तबाही दिखाई दे रही थी। पेड़ पर कारें लटकी दिखाई दे रही थीं और ट्रक के केबिन में बंद घोड़ा मर चुका था।

टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद जबर्दस्त आग, ट्रक पर गिरा विमान; कैसे हुआ हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद आग लग गई। यह घटना टेरंट कंट्री में हिक्स एयरफील्ड के पास हुई। अधिकारियों के मुताबिक क्रैश होने के बाद प्लेन ट्रकों पर गिर पड़ा। इसके बाद वहां पर आग लग गई। फोर्ट वर्थ फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक प्लेन क्रैश की घटना दोपहर को करीब डेढ़ बजे हुई। हालांकि घटना से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी क्रू मौके पर पहुंच गई। हालांकि अधिकारियों ने हादसे में किसी के घायल होने या फिर मौत की पुष्टि नहीं की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को घटना की जानकारी दे दी गई है। उम्मीद है कि यह दोनों एजेंसियां जल्द ही मामले की जांच शुरू कर देंगी। जिस जगह पर यह हादसा हुआ है, वह फोर्ट वर्थ अलायंस एयरपोर्ट और फोर्ट वर्थ मीचम एयरपोर्ट के बीच हुआ है। यह डलास-फोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास है। स्थानीय मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि हादसे के शिकार विमान ने कहां से उड़ान भरी थी और कहां जाने वाला था।

हमास ने रिहा किए सात इस्राइली बंधक; ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देगा इस्राइल

येरुशलम, एजेंसी। दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है और इस कड़ी में बंधकों की रिहाई और कैदियों की अदला-बदली के लिए भी तैयारियां पूरी हो गई हैं। वहीं इस माहौल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज इस्राइल पहुंचेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को गाजा से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और युद्ध को समाप्त करने में उनकी भूमिका के लिए देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस्राइल-हमास के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के तहत हमास ने सात इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इसकी पुष्टि इस्राइल की तरफ से की गई है, इस्राइल ने कहा है कि गाजा युद्ध विराम के तहत हमास ने पहले सात बंधकों को रेड क्रॉस को सौंप दिया है। हमास ने कहा है कि इस्राइल की तरफ बंदी बनाए गए 1900 से ज्यादा फलस्तीनी कैदियों के बदले 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस्राइली बंधकों की रिहाई की तैयारी के लिए रेड क्रॉस के वाहनों ने मध्य गाजा में अपनी आवाजाही शुरू कर दी है। वहीं हमास ने 20 इस्राइली बंधकों की सूची जारी की है, जिन्हें आज रिहा किया जाना है और हमास के सूत्रों ने एक न्यूज चैनल को बताया कि यह सूची सुबह 8 बजे के बाद सौंपी जाएगी। द टाइम्स ऑफ इस्राइल ने बताया कि इस सूची में वही 20 बंधक शामिल हैं जिनके नाम पहले ही बातचीत के दौरान इस्राइल को दिए जा चुके थे, और जिन्हें जीवित बंधकों से संबंधित समझौते के तहत रिहा करने की पुष्टि की गई थी। इस सूची में अपहृत सैनिक तामिर निमरोदी या नेपाली नागरिक बिपिन जोशी के नाम शामिल नहीं हैं। इस बीच, इस्राइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि वह लौटने वाले बंधकों की चिकित्सा सहायता के लिए आईडीएफ चिकित्सा बलों और स्वास्थ्य मंत्रालय की सहायता के लिए तैयार है। दो साल पहले हमास नरसंहार के दौरान अपहृत लोगों की रिहाई देखने के लिए तेल अवीव के बंधक चौक पर भारी भीड़ जमा होने के साथ ही स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे रिहाई शुरू होने की योजना है। गाजा शांति शिखर सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री केवी सिंह ने

करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंच गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लिखा, शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंचे। यह एक बेहद खास समय होने वाला है- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को इस्राइल रवाना हुए, उन्होंने इस यात्रा को बेहद खास समय बताया और हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते का जश्न मनाया। अपने विमान में सवार होने से पहले, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, यह एक बेहद खास समय होने वाला है। हर कोई एक साथ जयकार कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इसमें शामिल होना सम्मान की बात है और हम एक शानदार समय बिताने वाले हैं। इराक युद्ध में उनकी भूमिका के लिए ब्लेयर की लगातार आलोचनाओं के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर गाजा के शासन की देखरेख के लिए बनाए गए नए शांति बोर्ड में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा, मुझे हमेशा से टोनी पसंद रहे हैं, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह सभी के लिए स्वीकार्य विकल्प हैं। उन्होंने उन नेताओं का नाम नहीं लिया जो ब्लेयर के चयन पर अपनी राय दे सकते थे। कुछ बंधकों में दो सैनिक और चार विदेशी भी शामिल इन बंधकों में दो इस्राइली सैनिक मटन एंग्रेस्ट और निमरोड कोहेन भी शामिल हैं। दोनों को 7 अक्तूबर के युद्ध में अगवा किया गया था। इसके अलावा चार विदेशी भी बंधकों में हैं, तीन की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक नेपाली छात्र का हाल अब भी अज्ञात है। यह स्थिति रिहाई अभियान को और जटिल बनाती है। ईरान ने गाजा शिखर सम्मेलन का न्योता ठुकराया ईरानी सरकार ने मिस्र में होने वाले गाजा शिखर सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार तड़के पोस्ट किया, हम उन लोगों के साथ मंच साझा नहीं कर सकते जिन्होंने ईरानी जनता पर हमले और प्रतिबंध किए हैं।

जिनपिंग को लेकर ट्रंप का फिर बदल गया सुर, चीन-अमेरिका रिश्तों में यू-टर्न?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के रिश्तों में लगातार बदलाव हो रहा है। कल तक जिनपिंग को लेकर गुस्से में नजर आ रहे ट्रंप का सुर अचानक बदल गया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को बेहद सम्माननीय बताया है। साथ ही ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी चीन के साथ सहयोग का भाव लेकर चलना चाहता है। हमें आपस में कोई संघर्ष नहीं चाहिए। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच हाल में थोड़ा तनाव बढ़ा है। यह मामला रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिका द्वारा टैरिफ रेट बढ़ाने की बात के बाद आया है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'चीन के बारे में चिंता मत कीजिए। सबकुछ ठीक होगा।' उन्होंने आगे लिखा कि बेहद सम्माननीय राष्ट्रपति शी जिनपिंग का एक खराब पल था। वह अपने देश पर किसी तरह का दबाव नहीं चाहते और मैं भी ऐसा नहीं चाहता। ट्रंप के मुताबिक अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे दुखी नहीं करना चाहता।

ट्रंप के लहजे में नाटकीय बदलाव : ट्रंप के लहजे में आया यह बदलाव बेहद नाटकीय है। हाल ही में उन्होंने दुर्लभ-अर्थ मटीरियल और संबंधित टेक्नोलॉजी के निर्यात पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के चीन के फैसले की निंदा की थी। उस समय, ट्रंप ने बीजिंग पर वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इसके पीछे की भावना को अशुभ और शत्रुतापूर्ण बताया। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यह दुनिया को बंधक बनाने का प्रयास था। वहीं, अमेरिका के टैरिफ संबंधी धमकियों पर चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया। मंत्रालय ने कहा कि हम टैरिफ वॉर नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। साथ ही यह भी कहा कि अगर अमेरिका चीनी सामानों पर अपने प्रस्तावित 100% आयात शुल्क के साथ आगे बढ़ता है, जो 1 नवंबर से लागू होने वाला है, तो बीजिंग भी कठोर उपाय अपनाएगा।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव का केंद्र रेयर अर्थ मटीरियल के निर्यात को सीमित करने का चीन का कदम है। यह ऐसे महत्वपूर्ण पदार्थ हैं जिनका उपयोग स्मार्टफोन से लेकर सैन्य प्रणालियों तक, एडवांस टेक्नोलॉजी में किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी सैन्य उपयोग की संभावना का हवाला देते हुए, चीनी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि नए नियम पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं हैं। वैध नागरिक उपयोगों के लिए एक्सपोर्ट लाइसेंस अभी भी दिए जाएंगे।

कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया के शासन का 43वां साल; 99 वर्ष की आयु तक रह सकते हैं पद पर

याओंडे, एजेंसी। दुनिया के सबसे उम्रदराज नेता और कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया (92) अपने 43 साल के शासन को और आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को होने वाले एकल चरण के चुनाव में बिया के फिर से जीतने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। यदि वे जीतते हैं, तो उनका कार्यकाल 99 वर्ष की उम्र तक चलेगा। बिया ने 1982 में सत्ता संभाली थी, जब उनके पूर्ववर्ती और कैमरून के पहले राष्ट्रपति अहमदू अहिजो ने इस्तीफा दिया। इसके बाद से वह देश पर शासन कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद से कैमरून में केवल दो ही नेता सत्ता में आए हैं। बिया 1975 से 1982 तक कैमरून के पांचवें प्रधानमंत्री भी रहे। इस चुनाव में बिया के सामने 11 प्रतिद्वंदी हैं, जिनमें उनके सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी पूर्व सरकारी प्रवक्ता इस्सा टीचिरोमा बाकरी (79) भी शामिल हैं। बिया, जो आमतौर पर कम प्रोफाइल रखते हैं, ने मंगलवार को मारौआ में अपने चुनावी अभियान में कहा कि मैं उन समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं, जो आप सभी को चिंतित करती हैं। अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि ये समस्याएं असंभव नहीं हैं। हालांकि, इस साल उनके सेवानिवृत्त होने की आवाजें तेज हुई हैं। कैथोलिक आर्चबिशप सैमुअल क्लेडा ने कहा कि यह वास्तविक नहीं है कि बिया अब भी देश का नेतृत्व करें। उनके दो पुराने सहयोगी, इस्सा टीचिरोमा और बेलो बोबा मैगारी, विपक्ष में चले गए और खुले तौर पर बिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया। यहां तक कि उनकी बेटी ब्रेंडा बिया (27) ने भी पिता से पद छोड़ने की अपील की। उन्होंने एक वायरल टिकटॉक वीडियो में कहा मेरे पिता ने कई लोगों को दुख दिया है और नागरिकों से उनसे वोट न करने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने यह बयान वापस लिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कैमरून की कम से कम 43 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है और 30 मिलियन की आबादी में से लगभग एक तिहाई लोग प्रतिदिन 2 से कम में जीवन यापन करते हैं। इस बार चुनाव में लगभग 8 मिलियन लोग, जिनमें 34,000 से अधिक प्रवासी नागरिक भी शामिल हैं, मतदान के लिए योग्य हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी, तटरक्षक बल ने फिलीपींस के सरकारी जहाज को निशाना बनाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन और फिलीपींस के बीच दक्षिण चीन सागर में टकराव का एक और गंभीर मामला सामने आया है। बताया गया है कि चीनी तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के जहाजों ने फिलीपींस के एक सरकारी पोत पर पानी की तेज बौछार से हमला किया और इसके बाद में उसे टक्कर मार दी। इस घटना में जहाज को हल्का नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी भी चालक दल के सदस्य को चोट नहीं आई।

फिलीपींस तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना दक्षिण चीन सागर के विवादित इलाके में स्थित थीटू द्वीप के पास हुई। यह द्वीप फिलीपींस के कब्जे में है और वहां फिलीपींस के नागरिकों और मछुआरों की बस्ती भी है। घटना के समय फिलीपींस का सरकारी जहाज बीआरपी दातु पगबुआया वहां दो अन्य मछली पालन विभाग

के जहाजों के साथ लंगर डाले हुए था। तीनों जहाज मछुआरों को सहयोग देने के लिए उस इलाके में मौजूद थे।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टारिएला ने बताया कि अचानक चीनी तटरक्षक जहाज और कुछ संदिग्ध सैन्य नौकाएं तेजी से वहां पहुंचीं और खतरनाक ढंग से उसके जहाजों के बहुत करीब आ गईं। इसके बाद एक चीनी जहाज, जिसका नंबर 21559 था, ने दातु पगबुआया पर सीधा पानी की तेज बौछारें दागीं। कुछ ही मिनटों बाद उसी जहाज ने फिलीपींस के पोत के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे उसे हल्का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि किसी भी चालक दल को चोट नहीं आई और जहाज बाद में सुरक्षित स्थान पर चला गया।

फिलीपींस ने घटना का वीडियो जारी किया : फिलीपींस तटरक्षक बल द्वारा जारी एक वीडियो में चीनी जहाज को पानी की तेज धार से हमला करते और फिलीपींस के झंडे को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में फिलीपींस का जहाज हमले से बचने के लिए दिशा बदलता भी दिखाई देता है। फिलीपींस तटरक्षक बल के प्रमुख एडमिरल रॉनी गिल गवान ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके मनोबल को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, फिलीपीनी मछुआरों की आजीविका इन जलक्षेत्रों पर निर्भर है। चाहे पानी की तोप चले या जहाजों से टक्कर मारी जाए, हम अपने क्षेत्र की एक इंच जमीन भी किसी विदेशी ताकत को नहीं सौंपेंगे।

चीन बोला- फिलीपींस ने की हमारे जलक्षेत्र में घुसपैठ : उधर, बीजिंग में चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन ने बयान जारी कर कहा कि फिलीपींस के जहाजों ने बिना अनुमति चीन के टियेशियान रीफ (जिसे चीन सैंडी के कहता है) के पास उसके जलक्षेत्र में घुसपैठ की। उन्होंने कहा, फिलीपींस के जहाज ने चीनी जहाज के बहुत नजदीक आने की कोशिश की, जिससे मामूली टक्कर हुई। लियू ने पूरे मामले की जिम्मेदारी फिलीपींस पर डालते हुए कहा कि इस तरह की हरकतें क्षेत्र की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाती हैं।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर किया हमला; अमेरिका से टॉमहॉक मिसाइल मिलने की आशंका पर चिंता बढ़ी

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर ताबड़तोड़ हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि उसके देश के सैनिकों ने यूक्रेन के ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया। ये ऊर्जा सुविधाएं यूक्रेन के सैनिकों के ठिकानें भी हैं। रूस ने 24 घंटे के दौरान यूक्रेन की तरफ से दागे गए 72 ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया। उधर, कीव क्षेत्र के गवर्नर माइकोला कलाशनिक ने कहा कि रूसी हमलों में यूक्रेन की ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं। इस बीच, अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल देने की संभावना से मॉस्को में चिंता बढ़ गई है। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर माईकोला कालाशनिक ने बताया कि देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी छ्ञ्ञ्श्च्य के दो कर्मचारी रूसी हमले में घायल हुए। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, डोनेत्स्क, ओडेसा और चेर्निहिव क्षेत्रों में भी बिजली ढांचे को निशाना बनाया गया है। राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रूस हमारे शहरों और समुदायों पर हवाई आतंक जारी रखे हुए है। पिछले हफ्ते में रूस ने 3,100 ड्रोन, 92 मिसाइलें और करीब 1,360 ग्लाइड बम दागे हैं। क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दिए जाने की संभावना को लेकर रूस बेहद चिंतित है। उसने चेतावनी दी कि युद्ध एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है और हर तरफ से तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि टॉमहॉक मिसाइलें देने पर सहमति जताने से पहले वह जानना चाहेंगे कि यूक्रेन इनके साथ क्या करने की योजना बना रहा है। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को और बढ़ाना नहीं चाहते। हालांकि, इस मुद्दे पर एक तरह से फैसला कर लिया गया है।

टॉमहॉक मिसाइलों की मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन इन मिसाइलों के जरिये रूस की राजधानी मॉस्को को भी निशाना बना सकता है। मॉस्को ने महीने की शुरुआत में आरोप लगाया था कि वाशिंगटन और उसका नाटो गठबंधन यूक्रेन युद्ध में कीव को नियमित रूप से खुफिया जानकारी दे रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने उस समय संवाददाताओं से कहा था, यूक्रेनियों को खुफिया जानकारी देने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और अमेरिका के संपूर्ण बुनियादी ढांचे का उपयोग स्पष्ट है।अमेरिकी खुफिया जानकारी ने कीव को तेल रिफाइनरियों सहित महत्वपूर्ण रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर अग्रिम पंक्ति से कहीं आगे तक हमला करने में मदद की। इस मुद्दे पर व्हाइट हाउस व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ये 8वीं जंग जो मैंने रुकवाई, ट्रंप ने फिर लिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा के मुद्दे पर मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आज होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था, हालांकि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति इस बाबत अमेरिका से एयरफोर्स वन विमान से रवाना हो चुके हैं। वे पहले इस्राइल जाएंगे। इसके बाद वहीं से मिस्र रवाना हो जाएंगे। उनकी ओर से इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से पहली यात्रा है। इस्राइल रवाना होने से पहले उन्होंने इस दौरे को बेहद खास बताया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत खास समय होने जा रहा है... हर कोई इस पल को लेकर बेहद उत्साहित है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आमतौर पर अगर एक पक्ष खुश होता है, तो दूसरा नाराज होता है। लेकिन इस बार सब एक साथ प्रसन्न हैं।

गौरतलब है कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछ दिनों बाद होने जा रहा है। ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व दौरे पर रवाना होने से पहले एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दौरा क्षेत्र के देशों को एकजुट कर स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको खुश करने जा रहे हैं। हर कोई खुश है...चाहे यहूदी हो, मुस्लिम या अरब देश। हम इस्राइल के बाद मिस्र जा रहे हैं, और वहां मेरी बहुत ताकतवर, बड़े और अमीर देशों के नेताओं से मुलाकात होगी। और सभी इस समझौते के साथ हैं। इस दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल और हमास के बीच का युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इस पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि हां युद्ध खत्म हो गया है और मुझे पूरा भरोसा है कि युद्धविराम कायम भी रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह टिकेगा। बहुत सारे कारण हैं। लोग अब थक चुके हैंज यह सदियों से चल रहा है, अब लोग इसे खत्म देखना चाहते हैं। आगे पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने फिर से खुद को युद्ध शांत कराने वाला करार दिया।

गाजा में हमास और डोगमूश कबीले के लड़ाकों में झड़प

गाजा सिटी, एजेंसी। गाजा सिटी में रविवार को हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प में 64 लोग मारे गए हैं। इनमें 52 डोगमूश और 12 हमास लड़ाके शामिल हैं। हमास के टेलीविजन चैनल के मुताबिक हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नैम का बेटा भी झड़प में मारा गया।

झड़प में एक फिलिस्तीनी पत्रकार की भी गोली लगने से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हिंसा उस समय भड़की जब हमास के लड़ाकों ने सब्रा इलाके में कबीले के ठिकानों पर हमला किया। डोगमूश कबीले ने आरोप लगाया कि हमास ने सीजफायर का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया। हमास ने चेतावनी दी है कि जो मिलिशिया मेंबर और अपराधी खूनखराबे में शामिल नहीं हैं, वे अगले रविवार तक आत्मसमर्पण कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

हमास ने 2024 में डोगमूश लीडर की हत्या की थी डोगमूश नाम की उत्पत्ति तुर्किश मूल की बताई जाती है। इसका मतलब होता है- तुर्किये में जन्मा हुआ। कहा जाता है कि डोगमूश कबीला 20वीं सदी की शुरुआत में पलायन कर गाजा पहुंचा था। यह कबीला गाजा सिटी के साब्रा और तेल अल-हवा में बसा हुआ है। डोगमूश गाजा के बड़े घरानों में गिना जाता है। डोगमूश पर अलकायदा के करीबी होने का आरोप लगता है। इस कबीले पर ब्रिटिश पत्रकार एलन जॉनस्टन और इजराइली कैदी गिलाश शालिद के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। गाजा में सत्ता हासिल करने को लेकर डोमगूश और हमास के बीच कई बार संघर्ष हो चुका है। 2008 में हमास ने डोगमूश के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। 2024 में हमास ने सालेह डोगमूश को मार दिया था। हमास ने आरोप लगाया था कि सालेह गाजा पहुंचने वाली राहत सामग्री को कब्जा कर महंगे दामों पर बेच रहा था।

गाजा जंग में 270 से ज्यादा पत्रकारों की मौत : गाजा सिटी में हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी पत्रकार सालेह अलजफरावी (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलजफरावी संघर्ष की कवरेज कर रहे थे। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव (प्रेस लिखी जैकेट पहने) एक ट्रक के पीछे पड़ा मिला। हमास के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में शामिल डोगमूश गुट इजराइल से जुड़ा सशस्त्र संगठन है। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने उन लोगों पर भी हमला किया जो दक्षिण गाजा से लौट रहे थे। अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार गाजा में मारे जा चुके हैं। इजराइल से समझौते के बीच हिंसा हुई हमास और डोगमूश लड़ाकों में हिंसा, इजराइल से पीस समझौते के बीच हुई है। डोगमूश कबीले को अल डोगमूश मिलिशिया के नाम से भी जाना जाता है। इस कबीले के एक सदस्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बच्चे चिल्ला रहे हैं और मर रहे हैं, हमारे घर जल रहे हैं। हम फंसे हुए हैं। मुझे नहीं पता वे सभी हथियारों के साथ कैसे अंदर आए। यहा बड़ी हत्या हो रही है। कबीले के एक सीनियर सदस्य ने मुसलमानों से मुसलमानों का खून नहीं बहाने की अपील की। दूसरी तरफ हमास आज दोपहर तक 20 इजराइली बंधकों को रेड क्रॉस को सुपुर्द करेगा। बंधकों को छह से आठ वाहनों में रेड क्रॉस की निगरानी में इजराइल की सेना के हवाले किया जाएगा और फिर उन्हें दक्षिण इजराइल ले जाया जाएगा।

जानकारी

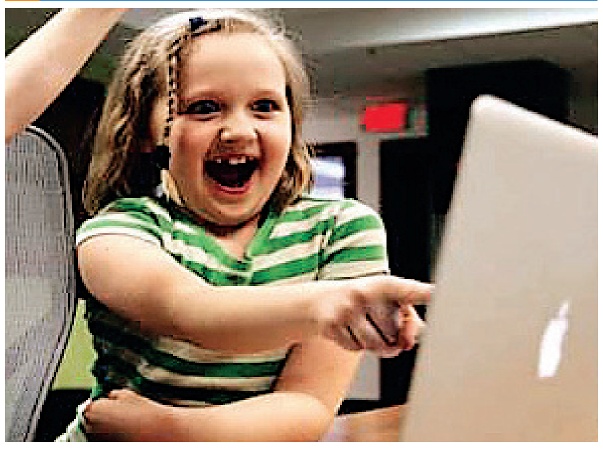

कहीं इस वजह से तो नहीं हो रहा आपका बच्चा बेकाबू?

बच्चे की परवरिश करना शायद दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। अगर आपका बच्चा बहुत हिंसक है तो इसके पीछे ये वजह हो सकती है।

बच्चे की परवरिश

अगर आपके बच्चे को बहुत ज्यादा गुस्सा आता है या फिर वह बहुत ज्यादा आक्रामक रहता है तो इसके पीछे की वजह चीनी हो सकती है। रिसर्च के मुताबिक, जो बच्चे ज्यादा चीनी खाते हैं, उनके हिंसक, एल्कोहॉलिक और सिगरेट पीने की लत पड़ने की ज्यादा संभावना होती है। कई अध्ययनों का विश्लेषण करने पर पता चला कि ज्यादा शुगर खाने या पीने से 11 से 15 साल के बच्चों के बीच हिंसक रवैये का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, अगर कोई बच्चा ज्यादा मिठाइयां और एनर्जी ड्रिंक लेता है तो उसके दूसरों के लिए खतरा बनने की संभावना ज्यादा रहती है। जबकि एक दूसरी स्टडी में बताया गया कि बच्चों में शुगर का हाई लेवल होने पर उनके झगड़े में पड़ने की चांसेज दोगुनी हो जाती है जबकि 95 फीसदी बच्चों को नशे की लत लगने की आशंका होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एनर्जी ड्रिंक चॉकलेट और मिठाइयों से भी ज्यादा बच्चों के व्यवहार पर बुरा असर डालती हैं क्योंकि इनमें कैफीन भी होता है। इजरायल की बार इलन यूनिवर्सिटी ने 137,284 बच्चों पर स्टडी की जिसमें 11, 13 या 15 वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि बच्चों के व्यवहार का शुगर की मात्रा से बहुत गहरा संबंध है। इस स्टडी में यह स्पष्ट तौर पर नहीं बताया गया कि शुगर की कितनी मात्रा खतरनाक हो सकती है। हालांकि नैशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की गाइडलाइन्स के मुताबिक, 11 वर्ष की उम्र वाले बच्चों को 30 ग्राम से ज्यादा ऐडेड शुगर नहीं लेनी चाहिए। कोकाकोला के एक कैन में ही 35 ग्राम शुगर होती है। 4-6 साल की उम्र वाले बच्चों को दिन भर में 19 ग्राम से ज्यादा शुगर नहीं लेनी चाहिए। स्टडी के लेखक ने बताया, बच्चों की खान-पान की आदतें आपको इस बात का संकेत पहले से ही दे सकती हैं कि टीनेजर में वे किन समस्याओं का सामना करने वाले हैं। स्टडी के मुताबिक, अधिकतर मामलों में बच्चों की शुगर इनटेक और व्यवहार के बीच के संबंध पर इस बात का फर्क नहीं पड़ा कि उनका परिवार कितना समृद्ध है। यह रिसर्च जर्नल सोशल साइंस ऐंड मेडिसिन में प्रकाशित की गई है।

डार्क सर्कल की समस्या

बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है।

डार्क सर्कल

किसी ने वाकई सच ही कहा कि आंखें एक साथ हजार शब्दों को बयां करती हैं। पर अगर आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो अवॉइड करने के बजाय उसे भी समझने की कोशिश करे। ये डार्क सर्कल आपकी हेल्थ के बारे में काफी कछ कहते हैं।

डार्क सर्कल किसी को भी हो सकते हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप स्त्री है या पुरुष।

क्या हो सकते हैं कारण

डार्क सर्कल होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार बहुत अधिक तनाव लेने की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं। इसके अलावा कम सोने, हार्मोन्स में परिवर्तन होने, अव्यवस्थित लाइफस्टाल होने या फिर हेरेडेट्री होने की वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं।

हालांकि बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं, लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है

- डार्क सर्कल दूर करने के लिए टमाटर सबसे कारगर उपाए है। ये नेचुरल तरीके से आंखों के नीचे के काले घेरे को खत्म करने का काम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा भी कोमल और फ्रेश बनी रहती है। टमाटर के रस को नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिलाकर लगाने से जल्दी फायदा होता है।
- डार्क सर्कल दूर करने के लिए आलू का भी प्रयोग किया जा सकता है। आलू के रस को भी नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिला लें। इस मिश्रण को रूई की सहायता से आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे समाप्त हो जाएंगे ।
- ठंडे टी-बैग्स के इस्तेमाल से भी डार्क सर्कल जल्दी समाप्त हो जाते हैं। टी-बैग को कुछ देर पानी में डुबोकर रख दें। उसके बाद इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। कुछ देर बाद इसे निकालकर आंखों पर रखकर लेट जाएं। 10 मिनट तक रोज ऐसा करने से फायदा होगा।
- ठंडे दूध के लेप से भी आंखों के नीचे का कालापन दूर हो जाता है। कच्चे दूध को ठंडा होने के लिए रख दें। उसके बाद कॉटन की मदद से उसे आंखों के नीचे लगाएं। ऐसे दिन में दो बार करने से जल्दी फायदा होगा।
- संतरे के छिलके को धूप में सुखाकर पीस लें। इस पाउडर में थोड़ी सी मात्रा में गुलाब जल मिलाकर लगाने से काले घेरे खत्म हो जाएंगे।

आंखों की सूजन दूर करने के 3 अचूक उपाए

अगर आपको अक्सर ही आंखों में सूजन रहती है और आप सारे उपाए करके हार चुकी हैं तो एक इन उपायों को जरूर आजमाएं। आंखों में कई बार सूजन आ जाती है जिसके कारण वह फूली हुई नजर आती हैं। ऐसा कई बार थकान की वहज से या फिर नींद न पूरी होने की वजह से होता है लेकिन अगर आप इस समस्या से अक्सर ही दो चार होते हैं तो इसका आसान उपाय आपके घर पर ही आपको मिल सकता है। आइए जानें, आंखों की सूजन को कम करने के लिए कैसे करे दूध का इस्तेमाल।

1-आंखों की सूजन कम करने के लिए बर्फ जमाने वाली ट्रे में दूध डालकर छोटे-छोटे क्यूब्स में जमा लें और उस क्यूब को निकालकर किसी कपड़े में लेकर आंखों पर सेंक करें। इस उपाए को करने से सूजन तो कम होती ही है साथ ही आंखों की थकान भी दूर हो जाती है।

2-दूसरा तरीका ये हैं कि एक चम्मच कॉफी पाउडर में दो चम्मच कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें और इस लेप को आंखों के नीचे लगाकर 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। आपको खुद फर्क महसूस होगा और आंखों की सूजन कम होने लगेगी।

3-कॉटन बॉल्स को ठंडे दूध में डुबोकर आंखों पर सेंक दें। इससे आपको बहुत आराम मिलेगा।

सुझाव

पैरों की बदबू से हैं परेशान? तो ये 5 टिप्स आएंगे काम

अगर आप भी पैरों की बदबू से परेशान हैं तो इन टिप्स की मदद से राहत पा सकेंगे। कई लोगों को पैरों में अधिक पसीना आता है। जब स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया पसीने के संपर्क में आता है तो पैरों से बदबू आने लगती है। गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा पसीना आने के कारण पैरों से बदबू भी अधिक आने लगती है। इसकी वजह से अक्सर कई लोगों को शर्मिंदगी का एहसास होता है।

आइए जानते हैं पैरों की बदबू को दूर करने के उपाए-

अदरक और सिरका: आप चाहें तो पानी में सामान्य सिरका मिलाकर उससे पैर धो सकते हैं या फिर अदरक के रस को पैर पर मल लें और बाद में गुनगुने पानी से पैर धो लीजिए। ऐसा करने से पैरों की बदबू चली जाती है।

लैवेंडर ऑयल: लैवेंडर ऑयल न केवल अच्छी खूशबू देता है बल्कि यह बैक्टीरिया को मारने में भी असरदार है। इस तेल में एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं जो पैरों की बदबू को दूर करने में बहुत फायदेमंद रहते हैं। हल्के गर्म पानी में कुछ बूंदें लैवेंडर ऑयल की डालकर पैरों को उसमें कुछ देर के लिए डुबोकर रखें। दिन में दो बार ऐसा करना फायदेमंद रहेगा।

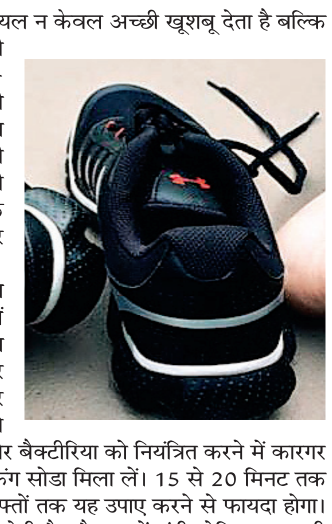

बेकिंग सोडा: सोडियम कार्बोनेट को ही साधारण शब्दों में बेकिंग सोडा के नाम से जाना जाता है। पैरों से आने वाली बदबू को दूर करने का यह एक बेहद कारगर और आसान उपाए है। यह पसीने के लेवल को सामान्य रखता है और बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में कारगर होता है। हल्के गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा मिला लें। 15 से 20 मिनट तक पैर पानी में ही डुबोए रखें। कुछ हफ्तों तक यह उपाए करने से फायदा होगा।

फिटकरी: फिटकरी कसैली होती है और इसमें एंटी-सेप्टिक गुण भी पाया जाता है। यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है। एक चम्मच फिटकरी पाउडर को एक मग पानी में डालकर उससे पैर धोएं। कुछ दिनों में बदबू की समस्या दूर हो जाएगी।

पैर रखें साफ: सबसे आखिर में मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जूते पहनने से पहले आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके पैर तो साफ हैं न। क्योंकि ऐसा पाया गया कि गंदे पैर जूते पहनने से ज्यादा बदबू आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2617

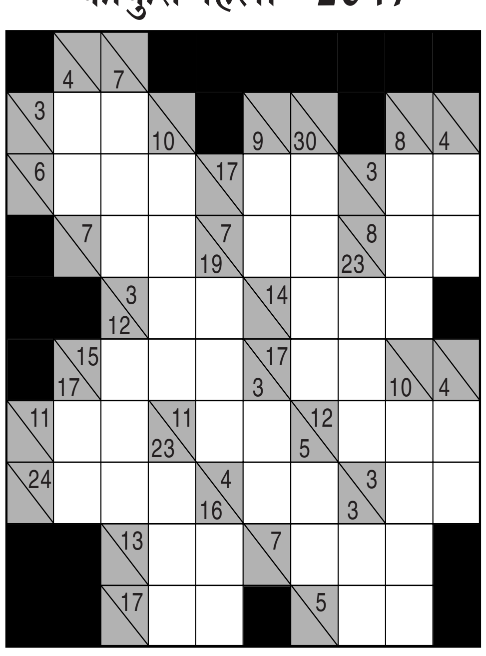

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

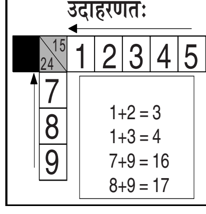

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2616 का हल

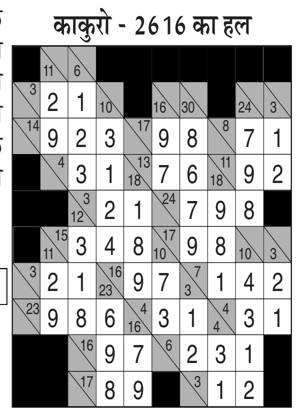

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

◻ ◻ ◻

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

◻ ◻ ◻

फिल्म वर्ग पहेली- 2617

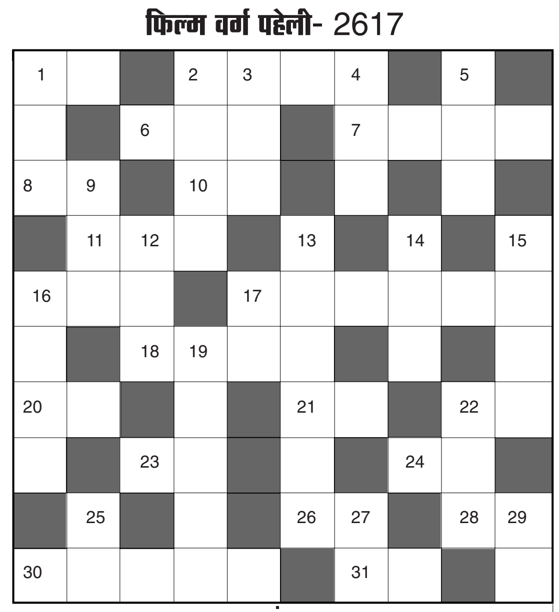

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2616

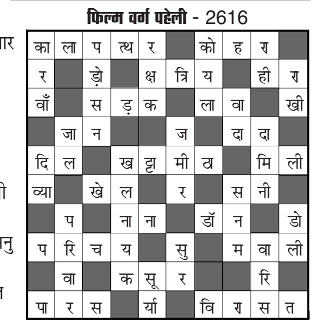

सूडोकु -2617

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2618 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 2617

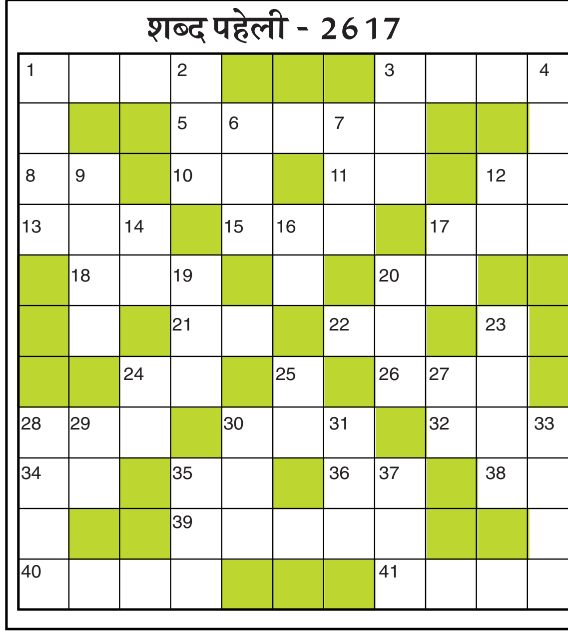

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2616 का हल

दुर्गापुर दुष्कर्म पीड़िता के लिए एनसीडब्ल्यू ने मांगी शैक्षणिक राहत और सुरक्षा उपाय

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार मेडिकल छात्रा के लिए शैक्षणिक राहत और बेहतर सुरक्षा उपायों की सिफारिश की है, ताकि उसकी पढ़ाई बाधित न हो और मानसिक व शारीरिक रूप से उसका पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भेजी गई सिफारिशों में कहा कि पीड़िता को हुए गहरे आघात के कारण उसकी आगामी परीक्षा छूट सकती है, इसलिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और विश्वविद्यालय प्रशासन को विशेष परीक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए। एनसीडब्ल्यू की सदस्य अर्चना मजूमदार ने घटना के बाद तथ्य-जांच दौरा किया था, जिसके आधार पर आयोग ने कुल 11 बिंदुओं वाली सिफारिशें जारी की हैं। इनमें कहा गया है कि यदि पीड़िता अपने मौजूदा संस्थान में असुरक्षित महसूस करती है, तो राज्य सरकार और एनएमसी को मिलकर उसे किसी अन्य मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित करने की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि उसकी सुरक्षा और शिक्षा दोनों बनी रहें। आयोग ने अस्पताल से एक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी है और एनएमसी को निर्देश दिया है कि वह एक माह में मेडिकल कॉलेज की अवसंरचना, सुरक्षा और वैधानिक अनुपालन की स्थिति की तत्काल जांच करे।

महाराष्ट्र के धुले में मिला मंकी पॉक्स का पहला मरीज, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के धुले जिले के सरकारी डायमंड अस्पताल में इलाज करवा रहे एक मरीज की मंकी पॉक्स की दोनों रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं। इसके बाद मरीज को एक अलग आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया है। मरीज के संपर्क में आए लोगों की भी जांच शुरू कर दी गई है। भारत में अब तक इसके 35 मामले मिल चुके हैं, जबकि महाराष्ट्र में यह पहला मामला है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।धुले जिले के सरकारी डायमंड अस्पताल के सूत्रों ने आज बताया कि इस अस्पताल में मिला मरीज एक पुरुष है और उसकी उम्र लगभग 45 साल है। मरीज पिछले चार साल से सऊदी अरब में रह रहा था। वह 2 अक्टूबर को वहाँ से धुले आया था। इसके बाद मरीज की तबीयत खराब होने लगी और अगले दिन उसे इलाज के लिए धुले के सरकारी डायमंड अस्पताल ले जाया गया। मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने पर जब उसका टेस्ट कराया गया तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मरीज का इलाज चल रहा था, तभी डॉक्टर में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखे, तो नगर निगम की टीम ने मरीज के ब्लड सैंपल लिए। इन सैंपल को जांच के लिए पुणे स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया तो मरीज की मंकीपॉक्स की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद जब दोबारा ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए तो दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। मरीज की दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गई है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । केंद्रशासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को भारतीय सेना के जवानों ने नाकाम कर दिया है, जिसमें दो आतंकवादियों को भी मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि देखी। अधिकारियों ने कहा, आतंकवादियों के एक घुसपैठिए को नाकाम करने के दौरान आंतकवादियों और सेना के बीच लगातार गोलीबारी हुई। इस अभियान में अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आगे की जानकारी का इंतजार है। इस शीतकाल में भारी बर्फबारी के कारण पहाड़ी दर्रे बंद होने से पहले जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की किसी भी कोशिश को विफल करने के लिए सेना, सुरक्षा बलों के साथ मिलकर नियंत्रण रेखा और भीतरी इलाकों पर 24/7 निगरानी रख रही है। मिली जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लॉन्च पैड पर इंतजार कर रहे हैं ताकि पहाड़ी दर्रे बंद होने से पहले भारतीय सीमा में घुसपैठ कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ की कोशिश में बैठे आतंकवादियों की सही संख्या हमेशा बदलती रहती है, लेकिन यह संख्या 100 के आसपास हो।

सिख नरसंहार के दोषियों को बचाने के पाप से कांग्रेस कभी बच नहीं सकती: तरूण चुग

नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के ऑपरेशन ब्लूस्टार पर बोले गए झूठ और कांग्रेस की 1984 में नरसंहार में भूमिका उजागर की। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए तरुण चुग ने कहा कि यह कैसे संभव है कि श्री हरमंदिर साहिब पर टैंक और तोपें बिना तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सहमति और आदेश के चलाई गई हों। सच को तोड़-मरोड़कर पेश करना शहीदों का अपमान है और इतिहास के सबसे काले अध्याय को ढकने की शर्मनाक कोशिश है। सिख नरसंहार के दोषियों को बचाने के पाप से कांग्रेस कभी बच नहीं सकती। तरुण चुग ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 1984 के सिख नरसंहार के दोषियों को चार दशक तक बचाया और संरक्षण दिया। जगदीश टाइटलर, सज्जन कुमार और एचकेएल भगत जैसे नेताओं, जिन पर 52 जिलों में निर्दोष सिखों की बर्बर हत्याओं के आरोप लगे, को कांग्रेस ने ढाल बनकर बचाया।

दक्षिणी रिज का 41 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र आरक्षित वन घोषित, मुख्यमंत्री बोलीं- हरित एवं प्रदूषण मुक्त दिल्ली हमारा लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को प्रदूषण से बचाने और पर्यावरण को प्रभावी रूप से मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार सरकार ने दक्षिणी रिज क्षेत्र के करीब 41 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी दिल्ली सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में दी गई। मुख्यमत्री ने कहा कि अब दिल्ली सरकार ऐसे वन क्षेत्रों की खाली जमीनों पर देसी पेड़ लगाएगी, ताकि जमीन तो उपजाऊ रहे, साथ ही पर्यावरण भी मजबूत हो। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त, हरित और संतुलित वातावरण वाली आधुनिक राजधानी बनाना दिल्ली सरकार लक्ष्य है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा कहा कि हमारी सरकार का यह निर्णय राजधानी के प्रदूषण को कंट्रोल करने में प्रभावी भूमिका अदा करेगा। सरकार ने इस मामले में पूर्व सरकार पर सवालिया निशान भी खड़े किए हैं। मुख्यमंत्री जानकारी दी कि राजधानी के रिज क्षेत्र को करीब 20 साल से लावारिस मान लिया गया था। पूर्व सरकारों ने इस क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए न कोई पहल की और न ही कोई कदम उठाया। इसका परिणाम यह हुआ कि कई रिज क्षेत्र में अतिक्रमण भी हो गया और वहां की हरियाली भी प्रभावित होने लगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने शुरू से ही दिल्ली के पर्यावरण व हरियाली को सुरक्षित व उसमें इजाफा करने की प्रतिबद्धता दिखाई थी और इसके लिए लगातार बैठकें व विभिन्न विभागों के के बीच समन्वय बनाया जा रहा था। परिणामस्वरूप हमारी सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, भारतीय वन अधिनियम-1927 के अधीन दक्षिणी रिज के करीब 41 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय दिल्ली की हरियाली को प्रभावी रूप से सुरक्षित रखेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दक्षिणी रिज क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का यह प्रथम चरण है। दिल्ली के अन्य रिज क्षेत्र को भी शीघ्र ही आरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरक्षित वन क्षेत्र में जहां भी खाली भूमि होगी, वहां वन क्षेत्र को सघन करने के लिए देसी व फलदार पेड़ लगाए जाएंगे।

रिंग रोड पर हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत

एजेंसी

वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के सजोई गांव स्थित रिंग रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार एक महिला मामूली रूप से घायल हो गई। सूचना मिलते ही जंसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। मृतकों के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण

किया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार तीनों लोग किसी काम से जा रहे थे तभी रिंग रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।फिलहाल पुलिस वाहन और चालक की तलाश में जुटी है। हादसे के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है।

मप्र के रतलाम में मिला दुर्लभ जीव पैंगोलिन, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

एजेंसी

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में स्थित ग्राम सिमलावदा में दुर्लभ जीव पैंगोलिन मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची और पैंगोलिन को रेस्क्यू किया। उसे पिंजरे में बंद कर वन विभाग कार्यालय लाया गया है।

बताया गया है कि ग्रामीण दूलेसिंह दायमा के मकान में रविवार रात को पैंगोलिन दिखाई दिया था। तब ग्रामीण ने उसे बिना नुकसान पहुंचाए शौचालय में बंद कर दिया था। सुबह रतलाम जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल जायसवाल जो कि गांव सिमलावदा के ही निवासी है, उन्हें सूचना दी। जब गांव में इस जीव के होने की जानकारी मिली तो ग्रामीण इसे देखने पहुंचे। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने दायमा के घर में शौचालय में पैंगोलिन को रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद किया। वन विभाग रतलाम परिक्षेत्र के सहायक सुखसिंह डांगी ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर जाकर जीव को सुरक्षित रेक्स्यू कर वन विभाग कार्यालय में रखा है। वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश के बाद इसे छोड़ा जाएगा। डांगी के अनुसार प्रकार के जीव तो नहीं है। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जायसवाल ने बताया कि सुबह गांव के दुलेसिंह दायमा ने इस बारे में बताया। रात भर सुरक्षा कर

उन्होंने भी पहली बार इस तरह का जीव देखा है, जो कि हलके पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। शाम को भी सिमलावदा समेत आसपास के क्षेत्र में जाकर सर्चिंग की है तो कि और भी इस उसे जीव को सुरक्षित रखा। पहली बार में गांव में इस तरह का जीव देखा गया। रात भर ध्यान रखने पर जायसवाल ने ग्रामीण दायमा को पांच हजार रुपए का इनाम देकर सम्मानित भी किया।

सभी मंडल मुख्यालयों पर स्थापित होंगे दिव्यांग पुनर्वास केंद्र : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी मंडल मुख्यालयों पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा से वंचित न रहे। प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र विकसित किए जाएं, जहां दिव्यांग व्यक्तियों को चिकित्सकीय, शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक और व्यावसायिक सहायता एक ही स्थान पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 'सेवा, संवेदना और सम्मान' के भाव से दिव्यांगजनों के समग्र सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन जिलों में पहले से दिव्यांग पुनर्वास केंद्र संचालित हैं, उनकी सेवाओं को और सशक्त करते हुए मॉडल केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए। वहीं जहां केंद्र नहीं हैं, वहां उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय जिला या सरकारी अस्पतालों के परिसर में स्थापित किया जाए ताकि चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इनका सहज समन्वय बन सके। यदि सरकारी अस्पताल में स्थान पर्याप्त नहीं है तो

कहा कि इन केंद्रों में तकनीकी संसाधन और विशेषज्ञ मानवबल को सुदृढ़ किया जाए। प्रत्येक केंद्र में प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट, क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट,

अलग भवन की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों में फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श, ऑर्थोटिक व प्रॉस्थेटिक सेवाएं, उपकरण वितरण आदि सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हों।बैठक में यह जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश के 37 जिलों में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र कार्यरत हैं, इनमें 11 मंडल मुख्यालयों पर हैं। मुख्यमंत्री ने प्रॉस्थेटिस्ट, ऑर्थोटिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट और काउंसलर की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही दिव्यांगजनों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, डिजिटल पंजीकरण, और ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए ताकि सेवाओं की पारदर्शिता और निगरानी बनी रहे। बैठक में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में केंद्र संचालन समिति के स्वरूप पर भी चर्चा हुई।

अयोध्या में पांच देशों के कलाकारों द्वारा अंतरराष्ट्रीय रामलीला का भव्य मंचन

एजेंसी

अयोध्या। इस वर्ष नौवें संस्करण के दीपोत्सव के अवसर पर अयोध्या अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच बनकर उभर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार अयोध्या में एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रूस, थाईलैंड, इंडोनेशिया, नेपाल और श्रीलंका के कलाकार मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की लीला का मंचन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की भागीदारी अयोध्या को न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र भी बनाएगी। इस बार कुल 90 विदेशी कलाकार अयोध्या की पावन भूमि पर अपनी कला और सांस्कृतिक धरोहर के माध्यम से रामकथा को जीवंत रूप में पेश करेंगे। अयोध्या के राम कथा पार्क में इस वर्ष विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध रामलीलाओं का मंचन किया जाएगा। रूस से आए 15 कलाकार रामलीला

के दौरान स्वयंवर का दृश्य प्रस्तुत करेंगे। उनके मंचन में रूस की पारंपरिक रंगमंचीय तकनीक और भारतीय कथा का अनूठा मिश्रण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। रूस के कलाकारों ने इस प्रस्तुति के लिए महीनों की तैयारी की है और वे दर्शकों को राम और सीता के दिव्य मिलन की अनुभूति देंगे। थाईलैंड से आए 10 कलाकार रामलीला में शूर्पणखा और राम-लखन संघर्ष, मारीच से संघर्ष और राम-रावण युद्ध का मंचन करेंगे। इन युद्धों के माध्यम से राम और रावण के बीच धर्म और अधर्म की कहानी दर्शकों के सामने प्रस्तुत होगी। थाईलैंड के कलाकारों की पारंपरिक नृत्य-नाट्य शैली इस प्रस्तुति को और भी जीवंत बनाएगी। इंडोनेशिया के 10 कलाकार रामलीला में लंका दहन और अयोध्या वापसी के दृश्य को अद्भुत ढंग से प्रस्तुत करेंगे। यह प्रस्तुति दर्शकों को राम के जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ों का अनुभव कराएगी और अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाएगी। नेपाल से आए 33 कलाकार इस बार रामलीला में पहली बार लक्ष्मण पर शक्ति प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे। इससे पहले नेपाल की रामलीला मुख्य रूप से मां सीता पर केंद्रित होती थी। इस बार की प्रस्तुति अयोध्या में रामलीला के अंतरराष्ट्रीय स्तर को और भी प्रतिष्ठित बनाएगी और दर्शकों को रामकथा का नया दृष्टिकोण दिखाएगी।

सफदरजंग अस्पताल में वर्चुअल क्लिनिकल एनाटॉमी प्रयोगशाला का उद्घघाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी)और सफदरजंग अस्पताल में अत्याधुनिक वर्चुअल क्लिनिकल एनाटॉमी प्रयोगशाला और आधुनिक बर्न्स ओपीडी ब्लॉक का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव मौजूद रहीं। यह प्रयोगशाला, उन्नत इंटरैक्टिव 3डी विजुअलाइज़ेशन, वर्चुअल विच्छेदन और डिजिटल शैक्षणिक उपकरणों के माध्यम से चिकित्सकों और छात्रों के लिए शरीर रचना विज्ञान सीखने में क्रांति लाने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस मौके पर सिटिजन चार्टर का भी विमोचन किया गया।

इस अवसर पर निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने कहा कि, ये सभी पहल सफदरजंग अस्पताल की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराती हैं। डॉ. सुजाता साराभाई (बर्न्स विभाग प्रमुख) के नेतृत्व में, यह विभाग रोगी सुरक्षा, आराम और सम्मान पर ज़ोर देता है- जलने से बचे लोगों के समग्र स्वास्थ्य लाभ के लिए अत्याधुनिक संसाधन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नए बर्न्स ओपीडी ब्लॉक में विश्वस्तरीय सुविधा के साथ विशेष ड्रेसिंग सूट, पूरी तरह सुसज्जित 10-बेड की आपातकालीन इकाई और एक समर्पित फिजियोथेरेपी और पुनर्वास केंद्र शामिल हैं। समारोह में संयुक्त सचिव डॉ. मनश्वी कुमार, डॉ. चारु बांबा चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. गीतिका खन्ना प्रिंसिपल वीएमएमसी, डॉ. वंदना मेहता (एनाटॉमी विभागाध्यक्ष), डॉ. सुजाता साराभाई उपस्थिति रहे।

भारत पहुंचे मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना, विदेश मंत्री जयशंकर ने की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना भारत की राजकीय यात्रा पर आज यहां पहुंचे। हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत से पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज उनसे मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करना सम्मान की बात है। आध्यात्मिक पड़ोसियों और वैश्विक दक्षिण के सदस्यों के रूप में हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के उनके उत्साहपूर्ण विचारों की वे सराहना करते हैं। उन्हें विश्वास है कि कल प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत हमारी मित्रता के अगले दशक के लिए एक भविष्यदर्शी दिशा निर्धारित करेगी। राष्ट्रपति उखना 13-16 अक्टूबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। उनके साथ कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी यहां आया है। मंगोलिया के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति खुरेलसुख की यह

पहली भारत यात्रा है। यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे और उनके सम्मान में भोज का आयोजन किया जाएगा। कल राष्ट्रपति खुरेलसुख प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध 1955 में स्थापित हुए थे। पिछले सात दशकों में दोनों देशों ने साझा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक घनिष्ठ और बहुआयामी साझेदारी विकसित की है। यह साझेदारी रक्षा और सुरक्षा, संसदीय आदान-प्रदान, विकास साझेदारी, ऊर्जा, खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में फैली हुई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंदे शौचालय की सूचना देने पर मिलेगा एक हजार का इनाम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर गंदे शौचालयों की सूचना देने वाले व्यक्ति को एक हजार रुपये का इनाम देगी। यह इनाम फास्टैग रिचार्ज के रूप में दिया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने फीसदीविशेष अभियान 5.0फीसदी के तहत यह पहल शुरू की है, जो 31 अक्टूबर तक लागू रहेगी। एनएचएआई के अनुसार, योजना का उद्देश्य टोल प्लाजा पर बने शौचालयों को स्वच्छ बनाए रखना और यात्रियों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल एप के माध्यम से गंदे शौचालय की तस्वीर अपलोड करके एक हजार रुपये का इनाम प्राप्त कर सकता है। यह पहल 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप के माध्यम से संचालित होगी, जहां उपयोगकर्ता को गंदे शौचालय की जियो-टैग की गई और समय-चिह्नित तस्वीर अपलोड करनी होगी।

मध्य प्रदेश का पर्यटन बना रहा सशक्त वैश्विक पहचान: मंत्री

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पर्यटन क्षेत्र देश के सबसे तेज़ी से विकसित होते क्षेत्रों में से एक बनकर उभरा है, जो हमारे राज्य की असीम संभावनाओं का प्रमाण है। विविध प्राकृतिक सौंदर्य, पवित्र आध्यात्मिक स्थलों, समृद्ध वन्य जीवन और गौरवशाली विरासत से परिपूर्ण मध्य प्रदेश सदैव दुनिया भर के यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या से हमारा राज्य एक सशक्त वैश्विक पहचान बना रहा है। पर्यटन मंत्री लोधी सोमवार शाम को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मप्र ट्रैवल मार्ट के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उनके गतिशील नेतृत्व और सतत सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। नई पर्यटन एवं फिल्म नीतियों के माध्यम से मध्य प्रदेश आने वाले समय में नई ऊचाइयाँ प्राप्त करेगा। दरअसल, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 का भव्य समापन हुआ। 'अतिथि देवो भवः' की भावना को साकार करते हुए यह आयोजन केवल एक व्यापारिक सम्मेलन नहीं, बल्कि संस्कृतियों के संगम और वैश्विक सहयोग का महापर्व

साबित हुआ। मार्ट में 27 देशों से आए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, होटलियर्स, निवेशकों और 700 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार श्रेणी में प्रथम पुरस्कार शंभाला रिसोर्ट (भोपाल), द्वितीय पुरस्कार यार नगर जंगल रिसोर्ट (बुधनी) और तृतीय पुरस्कार एन्चांटिंग मध्य प्रदेश (ग्वालियर) को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्रायोजकों, ग्रामस्टे और होमस्टे संचालकों को भी सम्मानित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं एमपी टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश में सभी अतिथियों का आतिथ्य सत्कार करना हमारे लिए अत्यंत रोमांचक और गर्व का अनुभव रहा है। पर्यटन उद्योग के हितधारकों को एक मंच पर लाने का सपना 'मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट' के माध्यम से साकार हुआ है। यहाँ संवाद, साझेदारियाँ और सहयोग वास्तव में प्रशंसनीय हैं। उन्होंने सभी टूर ऑपरेटर और होटलियर से आग्रह किया कि अधिक से अधिक पर्यटकों को मध्य प्रदेश भेजें, हम सदैव उन्हें खुले दिल से स्वागत करने और यादगार अनुभव देने के लिए तत्पर रहेंगे।

एमपी टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 की सफलता में पूर्व-आयोजन गतिविधियों जैसे रोड शो, रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव, फैम ट्रिप्स और इंफ्लुएंसर मीट्स ने अहम भूमिका निभाई। मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट में 700 से अधिक प्रतिभागियों की शानदार भागीदारी रही। फिल्म, एमआईसीई और वेडिंग टूरिज्म से जुड़े सत्रों तथा ईको-टूरिज्म पर हुई चर्चा ने राज्य की विविध संभावनाओं को उजागर किया। जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पाक कला प्रदर्शन और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता के साथ एमपीटीएम ने मध्यप्रदेश की वैश्विक छवि को और सुदृढ़ किया है तथा उच्च मूल्य के व्यावसायिक सहयोगों के नए द्वार खोले हैं। वेल्स बेकन्स लिमिटेड (यूके) के निदेशक एरिक हॉलीडे ने कहा कि यह अनुभव अद्भुत और वास्तव में अविस्मरणीय रहा। उद्घाटन समारोह जीवंत, प्रामाणिक और अत्यंत प्रेरणादायक रहा। मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट वास्तव में भारत के हृदय को दर्शाता है।

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला : ईओडब्ल्यू ने छत्तीसगढ़ की विशेष अदालत में 10 आरोपितों के खिलाफ चालान किया पेश

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुए 48 करोड़ रुपये के मुआवजा घोटाले के मामले में ईओडब्ल्यू ने आज विशेष अदालत में 10 आरोपितों के खिलाफ 7,600 पन्नों का चालान पेश किया। इस प्रकरण पर दो एसडीएम समेत राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज हैं। साथ ही एनएचएआई के चार अधिकारियों के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच एजेंसी ने जिन्हें आरोपित बनाया है। उनमें हरमीत सिंह खनूजा, उमा तिवारी, केदार तिवारी, विजय जैन, कुंदन बघेल, भोजराज साहू, खेमराज कोसले, पुन्नूराम देशलहरे, गोपाल वर्मा और नरेंद्र नायक शामिल हैं। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने मिलजुलकर भारतमाला प्रोजेक्ट के नाम पर सरकारी धन की बंदरबांट और आर्थिक अनियमितताओं को अंजाम दिया। ईओडब्ल्यू ने जानकारी दी है कि आरोपितों ने जमीन के अलग-अलग हिस्से करके भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 78 करोड़ का भुगतान दिखाया गया था।एसडीएम, पटवारी और भू-माफिया के गठजोड़ ने पुराने दस्तावेजों की तारीख बदलकर इस गड़बड़ी को अंजाम दिया। न्यायालयीय सूत्रों के अनुसार ईओडब्ल्यू की ओर से अदालत में प्रस्तुत चालान में बैंक ट्रांजैक्शन, कंपनियों के पंजीकरण दस्तावेज, ईमेल रिकॉर्ड्स, मोबाइल कॉल डिटेल्स, और ठेके की स्वीकृति प्रक्रिया से जुड़ी पूरी फाइलिंग शामिल है।जांच में यह भी सामने आया है कि प्रोजेक्ट के तहत भूमि अधिग्रहण, मापदंड निर्धारण और भुगतान प्रक्रिया में प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत थी। इनसे जुड़े कई अफसरों और ठेकेदारों से ईओडब्ल्यू पहले ही पूछताछ कर चुकी है, जिनके बयान चालान में संलग्न किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना योजना है के तहत देशभर में सड़कों और हाइवे का जाल बिछाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत राजधानी रायपुर से विशाखपट्टनम तक 950 किमी सड़क निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में रायपुर से विशाखापटनम तक फोरलेन सड़क और दुर्ग से आरंग तक सिक्सलेन सड़क बनना प्रस्तावित है। इस सड़क के निर्माण के लिए सरकार ने कई किसानों की जमीनें अधिग्रहित की है। इसके एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाना है, लेकिन कई किसानों को अब भी मुआवजा नहीं मिल सका है।

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव

-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी , इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हट दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज़ के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहाँ उसे एकदिवसीय सीरीज़ में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाट के

साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गार्डनर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गार्डनर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता । आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

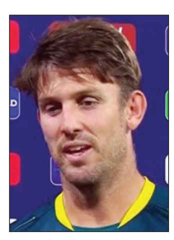

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत को ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे में दोनो को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनो ने ही टेस्ट और टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट स्किवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ

तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्सान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में

जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए यह संभवतः आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आय है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक हैं। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर

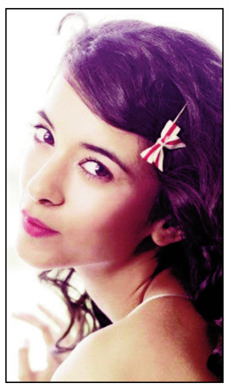

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कृष 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी

बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म, ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म, सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।

मेल एक्टर्स को लेकर कभी हेडलाइन नहीं बनी

अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं

दीपिका पादुकोण जब से संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हुईं इंडस्ट्री में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अलग बहस छिड़ गई। कथित तौर पर दीपिका ने काम के घंटों में असहमति के चलते ही फिल्म छोड़ी थी। इंडस्ट्री में तमाम लोग दीपिका के सपोर्ट में आए, तो कुछ ने विपरीत टिप्पणी की। अब पहली बार खुद दीपिका पादुकोण ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

यह मेरा तरीका नहीं

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में जोर-शोर से चल रही इस बहस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, मैंने ये कई लेवल्स पर किया है, मेरे लिए ये नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि पेमेंट जैसी चीजों के मामले में भी मुझे जो कुछ भी मिला, उससे निपटना पड़ा। मुझे नहीं पता इसे क्या कहूं, लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं और किसी अजीब वजह से कभी-कभी ये सार्वजनिक हो जाती हैं। यह मेरा तरीका नहीं है। न ही मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। लेकिन हां, अपने लिए बोलना और अपनी लड़ाई चुपचाप व गरिमा के साथ करना ही मेरा तरीका है।

दीपिका पादुकोण ने पुरुष कलाकारों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, एक महिला होने के नाते अगर यह दबावपूर्ण या कुछ और लगता है, तो ऐसा ही हो। मगर, इसमें कोई सीक्रेट नहीं कि कई सुपरस्टार्स, मेल सुपरस्टार्स इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे काम करते आए हैं। वर्षों से वे ऐसा कर रहे हैं। इसकी कभी हेडलाइन नहीं बनी हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, जिससे कि यह बड़ा मुद्दा बने। मगर, यह बात सब जानते हैं कि कई मेल एक्टर्स दिन में आठ घंटे काम करते हैं। कुछ सोमवार से शुक्रवार तक आठ घंटे काम करते हैं और वीकएंड में काम नहीं करते हैं।

दीपिका के फाउंडेशन को हुए 10 वर्ष

दीपिका पादुकोण वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के मौके पर मध्य प्रदेश गई थीं। वहां उन्होंने अपने फाउंडेशन लिव लव लाफ के 10 साल पूरे होने को सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का यह फाउंडेशन देशभर में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी।

स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी से बाहर हुई दीपिका

दीपिका पादुकोण ने फिल्म स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की शर्त रखी थी। बिटिया के जन्म के बाद उन्होंने मेकर्स के सामने यह मांग रखी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया और दीपिका ने दोनों फिल्में छोड़ दीं।

अब हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने विस्तार से इस पर बात की है। उन्होंने वर्किंग टाइमिंग को लेकर नए सिरे से छिड़ी बहस पर रिएक्शन दिया। उन्होंने बहुत सलीके से कहा कि वे अपनी लड़ाईयां खुद लड़ती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा इंडस्ट्री में हो रही उन बातों का भी जिक्र किया, जहां बराबरी, इंसाफ और सम्मान की चर्चा होती है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया।

शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे।

बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी!

रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तृषा कृष्णन का वर्कफंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वंभरा'में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वंभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

फिर मोहब्बत और परिवार के बीच फंसेंगे अजय देवगन, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आई सामने

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' जल्द ही रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक एज गैप वाले कपल की लव स्टोरी है। इस बार भी अजय देवगन और रकुल प्रीत लीड रोल में होंगे। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' से जुड़ी अपडेट शेयर की है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह फैंस को बताया है। फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट 14 नवंबर 2025 है। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी शेयर किया गया है।

तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ीं और मेरे साथ खड़ी रहीं। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

कई बार नींद नहीं आती...

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार -मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी - कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजलें और शायरी में बहुत रुचि है। क़तील शिफ़ाई, अहमद फ़राज़, राहत इंदौरी साहब, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूं।

धरती का स्वर्ग है 'मुन्नार'

आप प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते हैं तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का क्रेज जबरदस्त है। मौसम कोई सा भी हो लोग हिल स्टेशन जाना नहीं भूलते। तो देर किस बात की चलिए चलते केरल की खूबसूरत जगह मुन्नार।

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ है जिसे देखने के बाद आपको शांति और सुकून ही मिलेगा।

मुन्नार की खूबसूरती को देखकर ऐसा लगता है, जैसे कि यह धरती का स्वर्ग है। मुन्नार की सुन्दरता इतनी अधिक है कि इसे ईश्वर का देश भी कहा जाता है। ऐसा लगता है मानो कि हम किसी ईश्वर की भूमि पर उतर आए। आपको यहा आने के बाद जाने का बिलकुल ही मन नहीं करेगा। यहां की झीलें और घने जंगल इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजो के लिए मुन्नार दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजॉर्ट हुआ करता था।

वनों की विलक्षण वनस्पति तथा हरे घास के मैदानों के बीच यहां नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है।

हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी फूल पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार ही खिलता है। जब यह फूल खिलता है तो इसकी सुंदरता देखते ही बनती है।

मुन्नार में देखने लायक जगह हैं आनामुड़ी शिखर, राजमाला, चितीरापुरम, इकोपाइंट और मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की खूबसूरती पोतैमेदु में है, जो एक महत्त्वपूर्ण चाय बागान है।

मुन्नार में रोमांच

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग बोटिंग और हाइकिंग। वैसे तो आप पूरे साल मुन्नार जा सकते हैं लेकिन यदि आपको इसकी खूबसूरती देखनी है तो दिसंबर और जनवरी का महीना सही माना जाता है।

कैसे पहुंचे

मुन्नार पहुंचने के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुन्नार के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन तमिलनाडु का थेनी है जो मुन्नार से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल है जाइरो

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बदलते मौसम की वजह से पूरे विश्वभर में अपनी पहचान रखता है। यहां की कला और हस्तशिल्प की भव्यय विरासत तथा रंग बिरंगे त्यौहार प्रकृति की अपार शक्ति में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। ऐसी ही एक जगह है अरुणाचल प्रदेश में समुद्री तल से 5754 फीट (1,780 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित जाइरो/जिरो, जो अपने सांस्कृसतिक विरासत और मनमोहक दृश्य के लिए जाना जाता है। अपनी खूबसूरती की वजह से ही यह कस्बा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में नामांकित भी हुआ है।

अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं। यह क्षेत्र अपनी धान की खेतों की वजह से भी काफी लोकप्रिय है। जाइरो पौधों और जन्तुओं के मामले में काफी धनी है तथा अपनी विविधता की वजह से प्रकृति प्रमियों के लिए आदर्श स्थान बनी हुई है।

जाइरो में आदिवासी लोगों का प्रकति से इतना अधिक लगाव है कि वह प्रकृति को भगवान की तरह पूजते हैं और खुद को इससे जुड़ा हुआ पाते हैं। वहां के लोग खेतो के अलावा हस्तशिल्प तथा हैन्डलूम उत्पादों को बनाकर अपना जीवनयापन करते हैं। अन्य आदिवासी लोगों से अलग अपा टनी के लोग जाइरो क्षेत्र के स्थाई निवासी हैं। अपा टनी द्वारा मनाए जाने वाले कई पर्व हैं जिनमें मार्च में मनाया जाने वाला म्योको त्यौहार, जनवरी में मनाया जाने वाला मुरुंग त्यौहार और जुलाई का द्री त्यौहार प्रमुख हैं। अगर आप जाइरो जाने की योजना बना रहे हैं तो आप हरी-भरी शांन्त टैली घाटी, 5000 हजार साल पुरानी मेघना गुफा मंदिर जा सकते हैं। यही नहीं खूबसूरत पक्षियों और सूर्योदय के खूबसूरत दृश्य देखना है तो आप किले पाखो भी जा सकते हैं। यह यहां का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

> अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं।

जाइरो के अन्य पर्यटक स्थल

जीरो पूटु

इसे आर्मी पूटु के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद यहां पर अरूणाचल प्रदेश के पहले प्रशासनिक केन्द्र की स्थापना की गई थी। इसके बाद छठे दशक में यहां पर सेना के कैम्प का निर्माण भी किया गया। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से खूबसूरत दृश्य भी देखे जा सकते हैं।

डोलो मांडो

हपोली से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डोलो-मांडो डोलो और मांडो के प्रेम-संबंध के लिए प्रसिद्ध है। यहां से जाइरो और हपोली शहर के खूबसूरत दृश्य देखे जा सकते हैं।

तारीन मछली फार्म

पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक 'मछली फार्म' हपोली से 3।5 किमी। की दूरी पर स्थित है। यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। यहां आने वाले पर्यटक अनेक प्रजातियों की खूबसूरत मछिलयों को देख सकते हैं।

जाइरो का मौसम

जाइरो की जलवायु मौसम के अनुसार बदलती रहती है। वैसे तो पर्यटक पूरे साल भर जाइरो जाते हैं लेकिन यदि आपको वहां के मनमोहक दृश्य को देखना है अक्टूबर तथा नवम्बर का महीना आपके लिए सही रहेगा।

अतीत की कई कहानियों को बयां करती है यह जगह

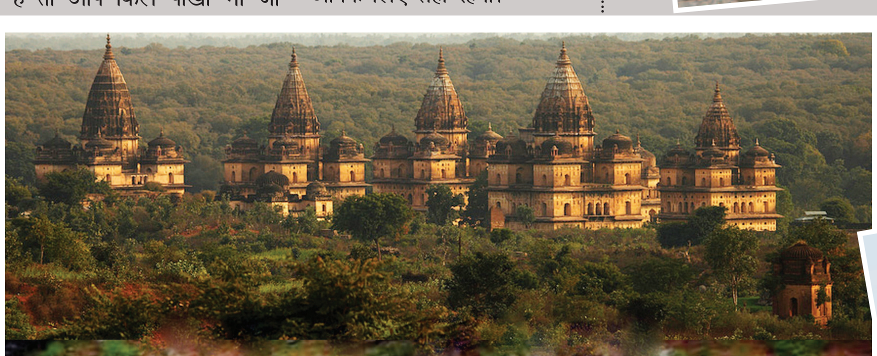

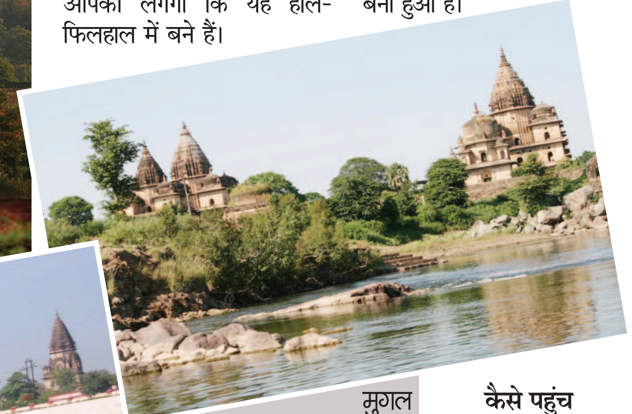

उत्तरी मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा अपने भव्य मंदिरों, महलों और किलों के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है। झांसी से मात्र 16 किमी. की दूरी पर स्थित यह जगह अतीत की कई कहानियों को बयां करती है। हरा-भरा और पहाड़ियों से घिरा ओरछा राजा बीरसिंह देव के काल में बुंदेलखण्ड की राजधानी हुआ करता था।

इतिहास

परिहार राजाओं के बाद ओरछा चन्देलों और फिर बुंदेलों के अधिकार में रहा। हालांकि चन्देल राजाओं के पराभव के बाद ओरछा श्रीहीन हो गया, लेकिन जब बुंदेलों का शासन आया तो ओरछा ने पुनः अपना गौरव प्राप्त किया। बुंदेला राजा रुद्रप्रताप ने 1531 ई. में नए सिरे से इस नगर की स्थापना की। उन्होंने नगर में मंदिर महल और किले का निर्माण करवाया। यही नहीं, उनके बाद के राजाओं ने भी सौंदर्य से परिपूर्ण कलात्मक इमारतें और भवन बनवाए।

मुगल शासन में ओरछा

मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी। इसके बदले में वीरसिंहदेव ने जहांगीर के कहने से अकबर के शासन काल में अकबर के विद्वान दरबारी अबुलफजल की हत्या करवा दी थी। वहीं जब शाहजहां का शासन काल आया तो मुगलों ने बुन्देलों से कई असफल लड़ाइयां लड़ीं। किंतु अंत में जुझार सिंह को ओरछा का राजा स्वीकार कर लिया गया।

ओरछा की सुंदरता

ओरछा की विरासत यहां की इमारतों में कैद है। आप महल, किले, पवित्र भव्य मंदिर तथा बुंदेलखण्ड के संस्कृति से जुड़ी प्रतिमा और चित्रकला को देखकर अपने कैमरे में कैद किए बिना रह नहीं सकते। मंदिरों और किलों की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इनकी चमक आज भी बरकरार है।

क्या देखें

राज महल-ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक 'राजमहल' को 17वीं शताब्दी में मधुकर शाह ने बनवाया था। चतुर्भुज आकार का यह महल अपनी शिल्प कला तथा भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

जहांगीर महल- बुन्देलों और मुगल शासक जहांगीर की दोस्ती की निशानी है जहांगीर महल। जहांगीर महल के प्रवेश द्वार पर दो झुके हुए हाथी बने हुए हैं जो अपने आप में वास्तुकला का बेहतरीन नमूना है।

चतुर्भुज मंदिर- कमल की आकृति और अन्य आकृतियों से परिपूर्ण यह मंदिर चार भुजाधारी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1558 से 1573 के बीच राजा मधुकर ने करवाया था। अपने समय की यह उत्कृष्ट रचना यूरोपीय कैथोड्रल से समान है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर- 622 ई. में बीरसिंह देव द्वारा बनवाया गया यह मंदिर ओरछा गांव के पश्चिम में एक पहाड़ी पर बना है। मंदिर में सत्रहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी के चित्र बने हुए हैं, जो तब के इतिहास को बयां कर रहे हैं। चित्रों के चटकीले रंग इतने जीवंत लगते हैं कि देखकर आपको लगेगा कि यह हाल-फिलहाल में बने हैं।

फूलबाग-मंदिर और महलों के अलावा आप ओरछा में बुन्देल राजाओं द्वारा बनवाया गया फूलों का बगीचा भी देख सकते हैं। पालकी महल के निकट स्थित यह बाग बुन्देल राजाओं का आरामगाह था। वर्तमान में यह पिकनिक स्थल बना हुआ है।

> मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी।

कैसे पहुंच

ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा खजुराहो है जो 163 किमी. की दूरी पर है। खजुराहो से आप टैक्सी, ऑटो के जरिए ओरछा पहुंच सकते हैं। अगर आप ट्रेन के जरिए ओरछा पहुंचना चाहते हैं तो झांसी ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, आगरा, भोपाल, मुंबई, ग्वालियर आदि प्रमुख शहरों से झांसी के लिए काफी संख्या में ट्रेने हैं।